उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 43 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 23 नवंबर-2026



अंदर के पृष्ठ पर

राधिका अपार्टमेंट अग्निकांड में दो लोगों की हुई थी मौत ,जिन्हे क्षेत्रीय लोगों ने दी श्रद्धांजलि 4

मैं और मेरा परिवार डरा हुआ है- दोषियों को जमानत मिलने पर बिलकिस बोलीं 5

ड्रग तस्कर की गिरफ्तारी के बाद मेक्सिको में भड़की हिंसा, 11 की मौत

» बीपीएस न्यूज

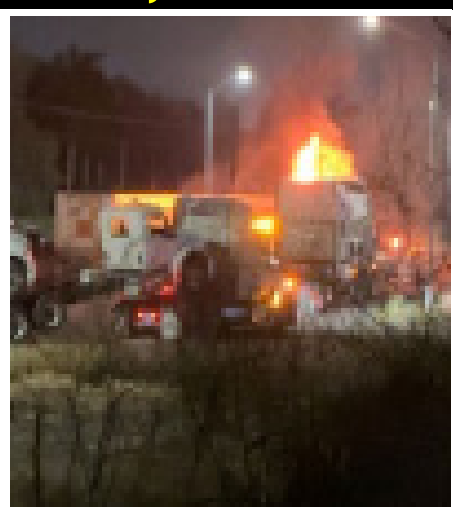

गुआसावे । मेक्सिको के सिनालोआ राज्य में कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर फाउस्तो इसिड्रो मेजा फ्लोरेस उर्फ एल चापो इसिड्रो की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क उठी। इस दौरान सेना और मादक पदार्थ गिरोह के बंदूकधारियों के बीच हुई मुठभेड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में सात संदिग्ध गिरोह सदस्य और चार सैनिक शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, तस्कर को शनिवार को गिरफ्तार कर मेक्सिको सिटी ले जाया गया।गोलीबारी के बाद ट्रकों और कारोबारी प्रतिष्ठानों में लगाई आग

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात गुआसावे शहर में मेक्सिको की सेना और मादक पदार्थ गिरोह के सदस्यों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। इसके बाद शहर में कई ट्रकों और कारोबारी प्रतिष्ठानों को आग के हवाले कर दिया गया। हिंसा के दौरान स्थानीय नागरिकों ने दुकानों में छिपकर अपनी जान बचाई।मेजा फ्लोरेस पहले बेल्ट्रान लेवा गिरोह का नेतृत्व करता था। बाद में उसने अपना आपराधिक संगठन बनाया, जिसे मेजा-फ्लोरेस ट्रांसनेशनल क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन के नाम से जाना जाता है। वह अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) के 10 सर्वाधिक वांछित भगोड़ों की सूची में शामिल था।अमेरिका ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने पर 5 करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया था। उस पर अमेरिका में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध हथियार रखने के आरोप हैं।मेक्सिको सरकार के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन से मिली खुफिया जानकारी ने उसकी गिरफ्तारी में मदद की। दोनों देशों की सरकारों ने इस कार्रवाई को सुरक्षा के लिहाज से बड़ी सफलता बताया है।हालांकि, विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि मादक पदार्थ गिरोहों के सरगनाओं की गिरफ्तारी के बाद उनके संगठनों में नेतृत्व को लेकर संघर्ष बढ़ सकता है। इससे हिंसा की घटनाएं भी बढ़ने का खतरा रहता है। उनका कहना है कि किसी सरगना की गिरफ्तारी से पूरे आपराधिक नेटवर्क का खात्मा नहीं होता।

क्रूज खड़े ट्रक में घुसी, 9 की मौत

» बीपीएस न्यूज



कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई।

मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं। हादसा नाता थाना क्षेत्र के शंभूपुरा गांव के पास हुआ। यहां खाटू श्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे श्रद्धालुओं की क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। दुर्घटना में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र का एक परिवार खाटू श्यामजी के दर्शन के बाद महाराष्ट्र लौट रहा था। परिवार के सदस्य तीन गाड़ियों में सवार थे। इनमें से एक क्रूजर में 16 लोग बैठे थे। शनिवार देर रात करीब एक बजे शंभूपुरा के पास क्रूजर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचायाकोटा के अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेश जोशी ने हादसे को बेहद दुखद और पीड़ादायक बताया।

उन्होंने कहा कि शंभूपुरा के पास रात के समय 16 लोगों को लेकर जा रही गाड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है। सभी एक ही परिवार के सदस्य थे और खाटू श्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे थे।

प्रशासन की प्राथमिकता घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना है। मृतकों के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया भी करवाई जा रही है।पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक स्तर पर चालक को नींद की झपकी आने की आशंका जताई गई है।

यूपी में एक्सप्रेसवे और विकास परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने के निर्देश, योगी ने की समीक्षा

» बीपीएस न्यूज



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों को राज्य में जारी और प्रस्तावित एक्सप्रेसवे, औद्योगिक तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उद्योगों को दी जाने वाली सुविधाओं, प्रोत्साहन और सब्सिडी का लाभ सीधे स्थानीय युवाओं और निवासियों तक पहुंचना चाहिए। राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने राज्य परिवर्तन आयोग की बैठक में विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल तैयार किया गया है और ऐसे में निवेश के माध्यम से सृजित होने वाले रोजगार के अवसरों का लाभ राज्य के युवाओं को मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

उन्होंने 88 विभागों में कार्यरत तीन लाख 10 हजार 437 आउटसोर्स कर्मचारियों के भुगतान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि नई भुगतान व्यवस्था के तहत बढ़ा हुआ पारिश्रमिक सभी कर्मचारियों को समय पर और पूरा मिले। योगी ने स्पष्ट किया कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बयान के अनुसार, चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे की निविदा प्रक्रिया 30 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी। वहीं, फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 91.46 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 82.98 प्रतिशत, झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 86.04 प्रतिशत और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 83.45 प्रतिशत भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने मेरठ-हरिद्वार और विंध्य एक्सप्रेसवे सहित अन्य परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब की वित्तीय निविदाएं अगले दो सप्ताह में खोलने और लॉजिस्टिक्स पार्क के निर्माण कार्य में तेजी लाने को भी कहा।

योगी ने गरीबी उन्मूलन अभियान के तहत चिह्नित 12.50 लाख परिवारों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधिकारियों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए आयोजित शिविरों में श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, रियायती दरों पर भोजन और मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने नोएडा, लखनऊ और गाजियाबाद में प्रस्तावित आठ कामकाजी महिला छात्रावासों के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

पश्चिम बंगाल में अडानी ग्रुप को मिला 1750 मेगावाट बिजली सप्लाई का कॉन्ट्रैक्ट

» बीपीएस न्यूज



नयी दिल्ली। अडाणी समूह की कंपनी को पश्चिम बंगाल में 25 वर्षों के लिए 1,750 मेगावाट नवीकरणीय बिजली की आपूर्ति का ठेका मिला है। इस समझौते में अतिरिक्त 750 मेगावाट बिजली देने का विकल्प भी शामिल है। वहीं तृणमूल कांग्रेस ने इस फैसले पर सवाल खड़े करते हुए पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की है।

पश्चिम बंगाल में बिजली क्षेत्र में एक बड़े कारोबारी समूह की एंट्री के साथ ही सियासत भी तेज हो गई है। अडाणी समूह की कंपनी को राज्य में 25 साल तक बिजली की आपूर्ति करने का ठेका मिला है। इसके तहत कंपनी 1,750 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा से बनने वाली बिजली उपलब्ध कराएगी। हालांकि, इस फैसले के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने राज्य सरकार पर बड़े कारोबारी समूहों को खास फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है और पूरे समझौते में पारदर्शिता की मांग की है।अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड की ओर से जारी बयान के मुताबिक, पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) ने कंपनी को 1,750 मेगावाट बिजली आपूर्ति के लिए आशय पत्र जारी किया है। यह बिजली चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। समझौते की अवधि 25 साल होगी।

इस परियोजना में 750 मेगावाट अतिरिक्त बिजली आपूर्ति का विकल्प भी रखा गया है।

सपा-कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं,चंद्रशेखर आजाद ने उठाए सवाल

» बीपीएस न्यूज



नई दिल्ली ।आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भाजपा को हराने के लिए गंभीर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को एकजुट होकर चुनौती देने के लिए %सामाजिक परिवर्तन मोर्चा% में शामिल होने के द्वार इन दलों के लिए खुले हैं। नगीना सांसद आजाद ने दिए एक साक्षात्कार में यह बात कही।आजाद ने बताया कि उन्होंने सभी विपक्षी दलों से गठबंधन बनाने के लिए संपर्क किया था। उन्होंने जिम्मेदार नेताओं को औपचारिक संदेश भी भेजे थे। जब उन्हें लगा कि वे साथ नहीं आना चाहते, तो उन्होंने अलग मोर्चा बनाने का फैसला किया। उनका अनुभव बताता है कि भाजपा को हराने के लिए बड़े वोट शेयर वाले बड़े गठबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने 2017 और 2022 के चुनावों का उदाहरण दिया। आजाद ने सपा-कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे 2017, 2019, 2022 और 2024 में भी गंभीर नहीं थे। उन्होंने कहा कि इन विपक्षी दलों में भाजपा को रोकने की इच्छा नहीं है। गरीब और कमजोर लोगों पर अत्याचार होते हैं, लेकिन इन नेताओं को कोई कष्ट नहीं होता।

आजाद ने दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली बसपा में लोगों का विश्वास कम हुआ है। उन्होंने बताया कि 2007 में बसपा का वोट शेयर 30 फीसदी था, जो अब घटकर नौ फीसदी रह गया है। यह 21 फीसदी का अंतर दर्शाता है कि चुनाव दर चुनाव लोगों का विश्वास घटा है। उन्होंने कहा कि आज बसपा का लोकसभा, विधानसभा या राज्यसभा में एक भी प्रतिनिधि नहीं है। इसके विपरीत, आजाद समाज पार्टी का समर्थन आधार लगातार बढ़ रहा है।

आजाद ने अपनी पार्टी के असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ गठबंधन को भाजपा की बी-टीम कहने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि लोग ऐसे टिप्पणी करने वालों को जवाब देंगे, क्योंकि यह तर्क संविधान के विरुद्ध है। उन्होंने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि 2022 में कांग्रेस ने सपा के खिलाफ 399 सीटों पर चुनाव लड़ा और करीब 300 सीटों पर जमानत जब्त हुई। उन्होंने पूछा कि क्या तब कांग्रेस बी-टीम थी। आजाद ने सपा द्वारा मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये नेता सत्ता को अपनी पैतृक संपत्ति मानते हैं।

उरई में नगर पार्षद के घर खाना बनाते समय फटा गैस सिलेंडर, 12 से अधिक लोग झुलसे, 7 की हालत गंभीर

» बीपीएस न्यूज



जालौन के उरई कोतवाली क्षेत्र स्थित शांति नगर मोहल्ले में एक नगर पार्षद के घर खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फटने से भीषण हादसा हो गया। धमाके की चपेट में आकर 12 से अधिक लोग झुलस गए, जिनमें 7 की हालत गंभीर है।जालौन। उरई शहर के शांतिनगर (वार्ड नंबर सात) में सभासद माताप्रसाद के घर में गैस सिलिंडर में हुए भीषण विस्फोट से हड़कंप मच गया. इस हादसे में 12 बच्चों समेत कुल 23 लोग झुलस गए और पास के तीन मकानों की दीवारों में दरारें आ गईं.जानकारी के अनुसार, शाम करीब 5:30 बजे सभासद की बहू स्वाति रसोई में चाय बना रही थीं. इसी दौरान गैस लीकेज के चलते सिलिंडर के रेगुलेटर में आग लग गई. स्वाति चिल्लाते हुए छत की ओर भागीं और भीतर मौजूद दयानंद भारती भी बाहर निकल आए. शोर सुनकर आसपास के लोग आग बुझाने के लिए घर के बाहर इकट्ठा हो गए, वहीं पास में खेल रहे बच्चे भी दरवाजे के पास आ खड़े हुए.

लोग आग पर काबू पा पाते, इससे पहले ही सिलिंडर तेज धमाके के साथ फट गया. विस्फोट के बाद आग की लपटें और गुबार दरवाजे-खिड़कियों से बाहर निकल आए, जिसकी चपेट में आकर बाहर खड़े महिलाओं, पुरुषों और बच्चों समेत 23 लोग झुलस गए. घटना के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई.सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल व मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया. पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत समेत अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना. अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने बताया कि फिलहाल घायलों के उपचार पर प्राथमिकता दी जा रही है और घटनास्थल पर जाकर मामले की जांच की जाएगी।

धर्म की समझ ही नहीं, राहुल गांधी का भाजपा-आरएसएस पर प्रहार; अर्धनारीश्वर की तस्वीर पर क्यों छिड़ा विवाद?

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने एलिफेंटा की गुफाओं में बनी भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त प्रतिमा (अर्धनारीश्वर स्वरूप) की तस्वीर साझा करते हुए दोनों संगठनों को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी बताया। राहुल का कहना है कि इन संगठनों को भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की कोई समझ नहीं है।

राहुल गांधी ने रविवार को एक्स पर अपनी पोस्ट में भाजपा और आरएसएस को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, मैं भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को जितना गहराई से समझता जा रहा हूं, यह बात उतनी ही साफ होती जा रही है। भाजपा और आरएसएस असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी हैं। उन्हें हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल समझ नहीं है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एलिफेंटा की गुफाओं में बनी भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त प्रतिमा की तस्वीर भी साझा की। इसे अर्धनारीश्वर स्वरूप के रूप में जाना जाता है।

अर्धनारीश्वर हिंदू धर्म में भगवान शिव और माता पार्वती का संयुक्त स्वरूप है। इसमें एक ही प्रतिमा में आधा पुरुष और आधा स्त्री रूप दिखाया जाता है। इस स्वरूप में शिव और शक्ति को एक साथ दर्शाया गया है। राहुल गांधी ने इसी प्रतिमा की तस्वीर साझा कर अपनी बात रखी। उनके पोस्ट का संदर्भ भारतीय धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं में स्त्री-पुरुष के संबंधों से जुड़ा है।

प्रसूता की मौत मामले में तीन डॉक्टरों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट, जांच अधिकारी व बोर्ड पर भी गिरी गाज

धौलपुर। प्रसव के दौरान एक महिला की मौत के मामले में धौलपुर की एसीजेएम न्यायाधीश बबीता वर्मा की अदालत ने तीन डॉक्टरों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर उन्हें तलब किया है।

अदालत ने यह आदेश डॉ. बृजमोहन मंगल, डॉ. जमुना दास और डॉ. अरविंद बंसल के विरुद्ध जारी किया है। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में दायित्वों का सही निर्वहन न करने पर तत्कालीन अनुसंधान अधिकारी और मेडिकल बोर्ड के डॉक्टरों के खिलाफ भी विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं।अधिवक्ता आरिफ हामिद खान के अनुसार मुरैना निवासी रॉकी गोयल पुत्र गजेंद्र गोयल ने अपनी बहन शिल्पी की मौत के मामले में 13 फरवरी 2023 को अदालत के इस्तगासे के जरिये निहालगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट के अनुसार शिल्पी को प्रसव पीड़ा होने पर 30 अक्तूबर 2022 को परिजन डॉ. बृजमोहन मंगल के क्लीनिक पर लेकर पहुंचे थे। वहां डॉ. बृजमोहन मंगल ने जांच के बाद करीब आधे घंटे में ही ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद शिल्पी की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए आगरा के रवि अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां जांच के दौरान महिला के शरीर के कई अंगों के काम करना बंद करने यानी मल्टी ऑर्गन फेलियर की स्थिति सामने आई। उसी रात शिल्पी की मौत हो गई।



अपनी बात....

संपादकीय .....

नशे के ज़हर से देश को मुक्त करने का वक्त

ऑपरेशन ट्राइडेंट में एनसीबी को बहुत बड़ी सफलता मिली और उसने हवाला कारोबार के जरिये भेजे जा रहे 100 करोड़ रुपये का पता लगाया तथा 1,424 बैंक खातों को बंद कर दिया और करीब 18 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी।

भारत में नशे के फैलते जाल को समयबद्ध और प्रतिबद्ध ढंग से समाप्त करने की तैयारी हो गई है। इसके वर्तमान स्वरूप को समझकर इसकी सप्लाई लाइन को ढूंढ़कर, नशे के व्यापारियों और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों पर शिकंजे कसकर और गुप्तचर नेटवर्क को बढ़ाकर सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। अब इसमें समय-सीमा तय कर दी गई है।

हाल ही में गृहमंत्री ने अपने बयान में कहा कि ड्रग के कारोबार और इस्तेमाल को दिसंबर, 2031 तक पूरी तरह से नियंत्रित कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार के साथ विभिन्न राज्यों की एजेंसियों ने भी कड़े कदम उठाए हैं। अब इस पर संगठित तथा प्रभावी तरीके से और जोर दिया जा रहा है, ताकि ड्रग सिंडिकेटों और नशे का सामान बेचने वाले नेटवर्क को पूरी तरह से नष्ट किया जा सके। नशीले पदार्थों और ड्रग माफिया तथा उनके सप्लायरों के विरुद्ध इसी नवंबर महीने के शुरू में एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए एक बहुत बड़े अंतर्राष्ट्रीय माफिया सलीम इस्माइल डोला को भारत लाने तथा गिरफ्तार करने में सफलता पाई। उसने 438 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ मेफेड्रोन की स्मगलिंग की थी।

वहीं, एजेंसियों ने देश की राजधानी दिल्ली में नशीली दवा बनाने की एक फैक्टरी पकड़ी और वहां से 148 किलो अल्प्राजोलम बरामद किया। साथ ही 1,046 किलो कच्चा माल भी बरामद किया। इस कार्रवाई में एजेंसियों तथा असम राइफल्स ने भी इस दौरान बड़ा काम किया। कछार सीमा पर उन्होंने एक ट्रक पकड़ा, जिसमें 20 किलो मेथा बरामद किया गया। यह एक शक्तिशाली नशीला पदार्थ है, जिसकी अमेरिका और यूरोप में बड़ी मांग है।

भारत में आकर नशीले पदार्थों का धंधा करने वाले विदेशी नागरिकों को भी बख्शा नहीं जा रहा है। 17 नवंबर को एजेंसियों ने दीव में तीन विदेशियों को पकड़ा और लगभग 11 करोड़ रुपये का कोकीन तथा मेफेड्रोन जब्त किया। इसी साल अक्तूबर में एनसीबी की टीमों ने असम, मिजोरम और मणिपुर के 38 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की। इस ऑपरेशन का नाम ट्राइडेंट यानी त्रिशूल रखा गया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट में एनसीबी को बहुत बड़ी सफलता मिली और उसने हवाला कारोबार के जरिये भेजे जा रहे 100 करोड़ रुपये का पता लगाया तथा 1,424 बैंक खातों को बंद कर दिया और करीब 18 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी।

इन अपराधियों के संबंध म्यांमार, भारत और बांग्लादेश में थे और ये बड़े पैमाने पर ड्रग तस्करी करने की तैयारी में थे। विदेशों में बैठे तस्करों के खिलाफ मुहिम ऑपरेशन ट्राइडेंट के तहत चलाई जा रही है, जिसमें सफलता मिल रही है। इंटरपोल से संपर्क बनाए रखने के लिए भारतपोल नाम का संगठन तैयार किया गया है, ताकि तस्करों के खिलाफ द्रुत गति से कार्रवाई की जा सके। इससे विदेशों में बैठे अपराधियों के बारे में काफी सूचनाएं मिल रही हैं। नशामुक्त भारत अभियान के तहत भारतीय एजेंसियों ने तुर्की से अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी नवप्रीत सिंह को भारत लाने में सफलता पाई। यह नशा तस्कर अफगानिस्तान से भारत में मेथा और हेरोइन जैसे ड्रग की तस्करी करवाता था। इसी तरह मुंद्रा पोर्ट पर 182 करोड़ रुपये के ड्रग बरामद करके ड्रग नेटवर्क को भारी चोट पहुंचाई गई थी।

दरअसल, ड्रग के पैसे से ही आतंकियों को हथियार खरीदने के लिए पैसे मिलते हैं। गृह मंत्रालय इस तरह के गठजोड़ पर पूरी तरह नजर रखे हुए है। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई इस तरह के नापाक काम को अंजाम देने के लिए काम करती रहती है। उसका गठजोड़ उन तस्करों से है, जो ड्रग बेचकर भारत में टेरर फंडिंग करते हैं।

इस समय पंजाब से नशे से संबंधित कई दुखद घटनाओं और अपराधों की खबरें आ रही हैं। नशे के कारोबार का विरोध करने पर वहां लोगों को गोली मारी जा रही है। पिछले दिनों इसी बात पर तीन लोगों की हत्याएं कर दी गईं। गृहमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार नशामुक्त पंजाब और नशामुक्त भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। पंजाब को नशामुक्त करने के लिए गृह मंत्रालय ने छह जिलों–अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन, लुधियाना, फिरोजपुर और फाजिल्का–को अतिसंवेदनशील ड्रग जोन में डाल दिया है। इनमें से पांच जिले पाकिस्तान की सीमा से लगते हैं, जहां से ड्रग आता है।

इस समय पंजाब से नशे से संबंधित कई दुखद घटनाओं और अपराधों की खबरें आ रही हैं। नशे के कारोबार का विरोध करने पर वहां लोगों को गोली मारी जा रही है। पिछले दिनों इसी बात पर तीन लोगों की हत्याएं कर दी गईं। गृहमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार नशामुक्त पंजाब और नशामुक्त भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। पंजाब को नशामुक्त करने के लिए गृह मंत्रालय ने छह जिलों–अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन, लुधियाना, फिरोजपुर और फाजिल्का–को अतिसंवेदनशील ड्रग जोन में डाल दिया है

अनियंत्रित उपभोक्तावाद से उपजा पर्यावरण संकट

पृथ्वी का तापमान

वर्ष 2025 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि कम वस्तुओं के साथ और सोच-समझकर उपभोग करने वाली जीवनशैली का संबंध कम पर्यावरणीय प्रभाव और कम कचरा पैदा करने से है। स्पष्ट है कि अपनी आवश्यकताओं को सीमित करना केवल व्यक्तिगत जीवन को सरल बनाने का उपाय नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान देने का एक व्यावहारिक रास्ता भी है।हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट फॉर कॉप-31' नामक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि जनवरी से सितंबर, 2026 के बीच पृथ्वी का औसत सतही तापमान 19वीं सदी के उत्तरार्ध (1850ङ्क1900) में दर्ज औसत तापमान की तुलना में लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस रिपोर्ट में तापमान की वृद्धि को समझने के लिए 1850 से 1900 के बीच की अवधि को आधार माना गया है, जिसे जलवायु विज्ञान में पूर्व-औद्योगिक संदर्भ अवधि कहा जाता है। वहीं, क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर द्वारा जारी 'विदाउट रैपिड एक्शन, द वर्ल्ड इज़ हेडिंग टू इर्रिकवरेबल ओवरशूट' नामक रिपोर्ट में भी वैश्विक जलवायु प्रयासों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन को रोकने के सामूहिक वैश्विक प्रयास लगातार पांचवें वर्ष लगभग ठहर गए हैं। वर्तमान सरकारी नीतियों के आधार पर इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है।



जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई आशंका भर नहीं रह गया है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घट रही घटनाएं इस संकट की बढ़ती गंभीरता का संकेत दे रही हैं। जुलाई, 2019 में पश्चिमी यूरोप के कई देशों को अविश्वसनीय रूप से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। बेल्जियम और नीदरलैंड में तापमान पहली बार 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। फ्रांस में जुलाई की भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया और कई लोगों की मौत का कारण बनी। वहीं, अप्रैल और मई, 2024 में दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे दो सुल राज्य में हुई मूसलाधार बारिश ने विनाशकारी बाढ़ का रूप ले लिया और लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।इन घटनाओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय समूह 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' के निष्कर्ष बताते हैं कि मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ रहा जलवायु परिवर्तन ऐसी भीषण गर्मी और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की संभावना तथा तीव्रता को बढ़ा रहा है। मानवीय गतिविधियां जलवायु परिवर्तन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं। इस तथ्य को जलवायु वैज्ञानिक अपने विभिन्न अध्ययनों में लगातार रेखांकित कर रहे हैं। आईपीसीसी की 'जलवायु परिवर्तन 2023 रिपोर्ट' में ऊर्जा के बेतहाशा उपयोग, वनों की निरंतर कटाई और औद्योगिक उत्पादन जैसी मानवीय गतिविधियों को जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों के रूप में रेखांकित किया गया है। जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी केवल सरकारों और नीतिगत व्यवस्थाओं पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से विमुख नहीं हो सकते। दरअसल, हमारी अपनी गतिविधियां और दैनिक जीवन से जुड़े निर्णय भी इस समस्या को बढ़ाने में योगदान देते हैं। इसलिए हमें उन गतिविधियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, जिनमें बदलाव करना हमारे अपने हाथ में है।हमारी इस जिम्मेदारी और व्यक्तिगत भूमिका को समझने के लिए मायरा जे. हर्ड द्वारा संपादित पुस्तक 'कंज्यूमिंग द एनवायरनमेंट' एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। दरअसल, हमारी रोजमर्रा की खरीदारी, फैशन के बदलते चलन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग का संबंध केवल बाजार और हमारी जरूरतों से नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर भी पड़ता है। किसी वस्तु का पर्यावरण पर प्रभाव केवल उसके उपयोग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों के दोहन से शुरू होकर उसके उपयोग के बाद फेंक दिए जाने तक बना रहता है। पर्यावरणीय संकट पर विचार करते समय यह देखना भी जरूरी है कि हम क्या खरीद रहे हैं, कितनी मात्रा में खरीद रहे हैं और उन वस्तुओं का उपयोग कितने समय तक कर रहे हैं।मायरा ने उपभोक्तावाद और पर्यावरण के बीच जिस संबंध की ओर ध्यान आकर्षित किया है, उसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की अक्तूबर, 2025 की रिपोर्ट 'ट्रांसफॉर्मिंग द टेक्सटाइल इंडस्ट्री = एक्सेलरेटिंग एक्शन ऑन रिसोर्स यूज' से भी होती है। रिपोर्ट के अनुसार, कपड़ा उद्योग में हर वर्ष प्राकृतिक जल संसाधनों का उपयोग लगभग 8.6 करोड़ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूलों में समा सकने वाले पानी के बराबर है। यह उद्योग दुनिया में धरती का तापमान बढ़ाने वाली गैसों के कुल उत्सर्जन में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है। कपड़ों की बढ़ती मांग और उनके उत्पादन में लगातार हो रही वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर इस दबाव को और बढ़ा रही है।उपभोक्तावाद का पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव केवल कपड़ा उद्योग तक सीमित नहीं है। हमारे घरों में इस्तेमाल होने वाली छोटी-बड़ी वस्तुओं से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और फर्नीचर तक, प्रत्येक वस्तु के निर्माण और उपयोग के पीछे प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की एक लंबी प्रक्रिया जुड़ी हुई है। एनी लियोनार्ड ने अपनी पुस्तक 'द स्टोरी ऑफ स्टफ' में हमारी रोजमर्रा की वस्तुओं और पर्यावरण के बीच इसी गहरे संबंध को स्पष्ट किया है। वे लिखती हैं कि हम जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं, उनकी यात्रा धरती से प्राकृतिक संसाधनों को निकालने से शुरू होती है। इसके बाद उनका निर्माण होता है, उन्हें बाजार तक पहुंचाया जाता है, हम उन्हें खरीदते और इस्तेमाल करते हैं और अंततः वे फेंक दी जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में लगातार प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग होता है और पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है।एनी चेतावनी देती हैं कि वस्तुओं को जल्दी-जल्दी बदलने और नई वस्तुएं खरीदते रहने की प्रवृत्ति केवल हमारी खरीदारी की आदत नहीं, बल्कि ऐसी उपभोग संस्कृति को बढ़ावा देती है, जो प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को लगातार गहरा करती है। तो क्या विकास और बेहतर जीवन की हमारी आकांक्षा का अर्थ लगातार अधिक वस्तुएं जुटाते जाना ही है? क्या प्रकृति के संरक्षण के लिए हम अपनी आवश्यकताओं और उपभोग की आदतों पर पुनर्विचार नहीं कर सकते?वास्तव में, प्रकृति को बचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास यह भी है कि हम अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर करना सीखें। उपभोक्तावादी संस्कृति की अंधी दौड़ पर लगाम लगाना और अनावश्यक उपभोग से स्वयं को दूर रखना पर्यावरणीय संकट को कम करने की दिशा में एक सार्थक कदम हो सकता है। दुनिया के कुछ समाजों में विकसित न्यूनतम वस्तुओं के साथ जीवन जीने की जीवनशैली इसी विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग दिखाती है।जापान की न्यूनतमवाद की जीवनशैली इस विचार को व्यवहार में उतारने का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। जापानी लेखक फुमियो सासाकी ने अपनी पुस्तक 'गुडबाय, थिंग्स = द न्यू जापानी मिनिमलिज्म' में कम वस्तुओं के साथ संतोषपूर्ण जीवन जीने की सोच को सामने रखा है। इस जीवनशैली का आग्रह है कि हम केवल आवश्यकता के अनुरूप वस्तुएं खरीदें, उनका लंबे समय तक उपयोग करें और केवल नया होने या बाजार में प्रचलित होने के कारण पुरानी वस्तुओं को न बदलें। यह सोच पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।आयरलैंड में शुरू हुआ 'लेस बाइंग, मोर बीइंग' का संदेश आज पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि बन सकता है। कम खरीदना, कम उपभोग करना और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीना केवल पर्यावरण संरक्षण का मंत्र नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित रखने का संकल्प भी है।

मिलावट का रोना : मुनाफे में सोना ही सोना

राजनीतिक विशलेषक/ जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा



महंगाई देख कर देश के आम आदमी के पैरों तले जमीन खिसक गई है। सोने के बेतरतीब भाव ने देश के 81 फीसदी ज्वेलर्स को मालामाल कर दिया है। बिना मानक के संचालित सोने चांदी की दुकानों की कोई जांच ही नहीं हुई है, और आज एक पड़ताल के बाद इसकी एक तहकीकात ने सोने के बाजार में चल रहे ऐसे महाघोटाले से पर्दा उठाया है जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए । अपनी बेटी की शादी या बुरे वक्त के लिए पेट काटकर जो सोना आप सरकारी हॉलमार्क देखकर खरीद रहे हैं, उसमें चीन से मंगाया गया रेनियम पाउडर मिलाकर आपके साथ सरेआम लूट की जा रही है–और सबसे डरावनी बात यह है कि हॉलमार्किंग सेंटर की सरकारी मशीनें भी इस चोरी को पकड़ने में पूरी तरह फेल साबित हो रही हैं ।

जरा इस हाई-टेक ठगी के विज्ञान और गणित को समझिए। जोधपुर के सर्राफा बाजार में किए गए एक लाइव प्रयोग में 7 . 8 3 0 ग्राम शुद्ध सोने के भीतर महज 1 ग्राम रेनियम पाउडर मिलाया गया। रेनियम एक ऐसी भारी धातु है जिसका घनत्व सोने के बेहद करीब होता है और इसका गलनांक सोने से भी कहीं ज्यादा होता है। जैसे ही इसे सोने में मिलाया गया, गहने का वजन बढ़ गया। इसके बाद जब इस मिलावटी सोने को जांच के लिए सामान्य टेस्टिंग और हॉलमार्किंग सेंटर की ङ्ग आरएफ मशीनों के नीचे रखा गया, तो मशीन ने इसे 2 2 कैरेट (9 1.6 त्न शुद्ध) सोना बताकर पास कर दिया, जबकि हकीकत में उसके भीतर असली सोने की मात्रा गिरकर महज 2 0 कैरेट के बराबर रह गई थी । यानी साफ है कि एक्स-रे फ्लोरोसेंस (ङ्ग क्रस्न) मशीनें सिर्फ गहने की ऊपरी परत को पढ़ पाती हैं और भीतर छिपे रेनियम के कणों को सोना ही समझ बैठती हैं।

अब जरा एक मध्यमवर्गीय पिता या गरीब मां की बेबसी की कल्पना कीजिए, जो आज के अस्सी हजार रुपये तोले के आसमान छूते भाव में अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी जोड़कर एक-दो तोला सोना खरीदते हैं। ग्राहक बेचारा सरकारी हॉलमार्क और एचयूआईडी नंबर पर आंख मूंदकर भरोसा करता है और पूरे वजन की पाई-पाई चुकाता है, लेकिन उसे पता ही नहीं चलता कि वह असली सोने के भाव में चाइनीज धातु का वजन खरीदकर घर ला रहा है। इस धोखे का असली दर्द तब सामने आता है जब आम आदमी किसी मुसीबत में, बीमारी में या बच्चों की पढ़ाई के लिए उसी गहने को गलवाने या बेचने के लिए सुनार के पास जाता है। जब गहने को भट्टी में गलाकर रिफाइन किया जाता है, तब रेनियम अलग हो जाता है और असली सोना कम निकलता है। उस वक्त हाथ में आता है सिर्फ पछतावा और ठगे जाने का अहसास । कैग की रिपोर्ट पहले ही बता चुकी है कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अफसर 80 फीसदी दुकानों में झांकने तक नहीं जाते, और अब हॉलमार्किंग मशीनों की इस नाकामी ने पूरे सिस्टम पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। अगर सरकारी मुहर और जांच केंद्र भी इस मिलावट को नहीं पकड़ पा रहे हैं, तो आम नागरिक अपनी मेहनत की कमाई की गारंटी किससे मांगे ?

खून, दूध, पनीर, घी, मसाले और जीवन रक्षक दवाइयों के बाद अब बुरे वक्त की आखिरी पूंजी यानी सोने में भी मिलावट का यह जहर घोल दिया गया है। आखिर हमारा देश किस दिशा में जा रहा है, जहां चारों तरफ सिर्फ लूट और मिलावट का सिंडिकेट हावी है? सरकार और बीआईएस को कुंभकर्णी नींद से जागकर तुरंत हॉलमार्किंग सेंटर्स की जांच तकनीक को अपग्रेड करना होगा और रेनियम तस्करी के इस नेटवर्क को कुचलना होगा, वरना आम आदमी का सरकारी मुहरों से बचा-खुचा भरोसा भी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। सोने का धंधा देश का सबसे अनऑर्गनाइज्ड धंधा है, फिर भी त्नस्ञ्ज कैसे वसूलता है? यही तो सबसे बड़ा खेल है।

पूछिए किसी से ङ्क देश में सबसे अनऑर्गनाइज्ड धंधा कौन सा है तो जवाब मिलेगा मिलावट का धंधा ! और ये जवाब गलत नहीं है। देश में 2.36 लाख बीआईएस -रजिस्टर्ड ज्वेलर हैं। पर जमीन पर दुकानें इससे दोगुनी हैं। गली के सुनार, गाँव के सर्राफ, कस्बे का छोटा ज्वेलर, फुटपाथ पर बैठा मरम्मत वाला, घर में बैठकर गहना बनाने वाला कारीगर ङ्क इनमें से ज्यादातर का क्वह्रुस से कोई लेना-देना नहीं है। हॉलमार्किंग सिर्फ 392 जिलों में अनिवार्य है। देश में 700 से ज्यादा जिले हैं। मतलब आधे से ज्यादा भारत में बिना हॉलमार्क के सोना बेचना ही कानूनी रूप से चल रहा है। कैग ने कहा ङ्क 81त्न की जांच ही नहीं हुई। ये तो रजिस्टर्ड वालों की बात है। अनरजिस्टर्ड वालों की जांच का तो सवाल ही नहीं उठता। वो तो सिस्टम में हैं ही नहीं। फिर सवाल उठता है ङ्क अगर ये धंधा इतना अनऑर्गनाइज्ड है, इतना बिना रजिस्ट्रेशन के है, तो ये जीएसटी कैसे वसूल रहा है? जीएसटी तो सिर्फ रजिस्टर्ड व्यापारी वसूल सकता है।

यहीं से असली खेल शुरू होता है। ज्यादातर छोटे ज्वेलर जीएसटी में रजिस्टर्ड हैं, क्योंकि बिना जीएसटी नंबर के वो थोक में सोना खरीद ही नहीं सकते पर बीआईएस में रजिस्टर्ड नहीं हैं, क्योंकि बीआईएस में रजिस्ट्रेशन मतलब ङ्क हर गहने की जांच, हर गहने पर एचयूआईडी , हर साल ऑडिट। मतलब पूरी पारदर्शिता। और पारदर्शिता से ही तो इन्हें डर लगता है। सोने पर जीएसटी 3त्न है। मेकिंग चार्ज पर 5त्न जीएसटी है। ग्राहक को बिल में ये साफ दिखता है। ग्राहक खुश है देखो, पक्का बिल मिला,जीएसटी दिया, मतलब दुकानदार ईमानदार है। पर असली कहानी बील के पीछे है। छोटे ज्वेलर का हिसाब ऐसे चलता है। एक हिस्सा पक्का बिल वाला। इसमें जीएसटी वसूला जाता है, सरकार को दिया जाता है। ये वो हिस्सा है जो दिखाना है। नतीजा ये है देश का सबसे कीमती धंधा, सबसे कम निगरानी में चल रहा है।



भक्ति, प्रकृति संरक्षण और शुभ संकल्पों का पर्व

कार्तिक मास की देवउठनी एकादशी का दिन भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के साथ चातुर्मास का समापन होता है और मांगलिक कार्यों की शुरुआत का मार्ग खुलता है। व्रत, पूजा, देव जागरण और तुलसी विवाह से जुड़ा यह पर्व भक्ति, आत्मसंयम, प्रकृति संरक्षण और नई शुरुआत का संदेश देता है।

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवोत्थान एकादशी और प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं। सनातन हिंदू धर्म में यह दिन भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने, चातुर्मास की समाप्ति और मांगलिक कार्यों के पुनः आरंभ का प्रतीक है। इस पर्व के साथ भक्ति, आत्मसंयम, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और गृहस्थ जीवन की नई शुरुआत के भाव भी जुड़े हैं।देवउठनी एकादशी की धार्मिक मान्यता भगवान विष्णु की योगनिद्रा से जुड़ी है। मान्यता है कि आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसके बाद चार महीने का चातुर्मास आरंभ होता है, जिसका समापन कार्तिक शुक्ल एकादशी पर भगवान विष्णु के जागरण के साथ माना जाता है। इस अवधि में अनेक धार्मिक परंपराओं में विवाह और अन्य मांगलिक आयोजनों से परहेज किया जाता है। देवउठनी एकादशी के आगमन के साथ शुभ कार्यों की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त होता है। हालांकि, विवाह और दूसरे संस्कारों के मुहूर्त का निर्धारण स्थानीय पंचांग, पारिवारिक परंपरा और संबंधित ज्योतिषीय गणना के अनुसार भी किया जाता है। यहां भगवान का जागना केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं, बल्कि जीवन में नई चेतना के प्रवेश का प्रतीक भी माना जाता है। जिस प्रकार प्रकृति में विश्राम के बाद नई गतिविधियां आरंभ होती हैं, उसी प्रकार यह पर्व मनुष्य को अपने जीवन में निष्क्रियता छोड़कर कर्तव्य, सदाचार और सकारात्मक कर्मों की ओर लौटने की प्रेरणा देता है।



देवउठनी एकादशी पर श्रद्धालु प्रातः स्नान कर भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। घर के मंदिर में दीपक जलाया जाता है, भगवान को पुष्प, फल और तुलसी दल अर्पित किए जाते हैं तथा विष्णु मंत्रों का जाप किया जाता है। अनेक परिवार व्रत रखते हैं और दिनभर भजन, कीर्तन तथा धार्मिक ग्रंथों के पाठ में समय बिताते हैं। उत्तर भारत में कई जगहों पर शाम को भगवान को प्रतीकात्मक रूप से जगाने की परंपरा है। आंगन में रंगोली या चौक बनाया जाता है, गन्ने का मंडप सजाया जाता है और शंख, घंटी तथा थाली बजाकर देव जागरण के गीत गाए जाते हैं। नई फसल और मौसमी उपज को पूजा में शामिल करने की परंपरा भी है।व्रत का स्वरूप व्यक्ति की परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार अलग-अलग होता है। कोई निर्जल व्रत रखता है, तो कोई फलाहार करता है। व्रत में धार्मिक आस्था के साथ शारीरिक क्षमता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। मधुमेह तथा अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों या नियमित दवाएं लेने वालों को कठोर उपवास करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

देवउठनी एकादशी के आसपास होने वाला तुलसी विवाह इस पर्व का एक प्रमुख आकर्षण है। इसमें तुलसी के पौधे का विवाह भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप अथवा श्रीकृष्ण की प्रतिमा से कराया जाता है। तुलसी विवाह की परंपरा का संबंध वृंदा और भगवान विष्णु से जुड़ी पौराणिक कथाओं से है। तुलसी को पवित्रता, समर्पण और कल्याण का प्रतीक माना जाता है।देवउठनी एकादशी का महत्व केवल पूजा-पाठ या मांगलिक कार्यों की शुरुआत तक सीमित नहीं है। सनातन परंपरा में एकादशी को इंद्रियों पर नियंत्रण, मन की शुद्धि और ईश्वर के प्रति समर्पण का अवसर माना गया है। उपवास का उद्देश्य केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और अनावश्यक इच्छाओं पर संयम का अभ्यास भी है। भगवान विष्णु को सृष्टि के पालनकर्ता के रूप में पूजा जाता है।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

कानपुर के राधिका अपार्टमेंट में लगी आग

15 वर्षीय किशोर की जलकर मृत्यु 4 को उपचार हेतु हॉस्पिटल में कराया गया कराया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सोमवार सुबह 04ः54 बजे थाना फीलखाना क्षेत्रांतर्गत राधिका अपार्टमेंट में आग लगने एवं कुछ लोगों के बिल्डिंग में फंसे होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर फायर स्टेशन लाटूश रोड एवं फायर स्टेशन कर्नलगंज की टीमों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। बीमाकराएं

मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। फायर सर्विस की टीमों द्वारा बिल्डिंग में फंसे 08 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से 04 को उपचार हेतु भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान एक महिला एवं एक 15 वर्षीय किशोर की दुःखद मृत्यु हो गई, जबकि दो घायलों का उपचार जारी है।

घटनास्थल के निरीक्षण में पाया गया कि लगभग 4 मीटर चौड़ी सड़क पर बनी 5-6 मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर स्थित पार्किंग में खड़े वाहनों में स्पार्किंग से आग लगी, जो सीढ़ियों के रास्ते ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। बिल्डिंग में समुचित आपातकालीन निकास की व्यवस्था भी नहीं पाई गई। बीमाकराएं

प्रकरण में मुकदमा पंजीकृत कराकर जिम्मेदार बिल्डर एवं लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। केडीए उपाध्यक्ष से वार्ता कर ऐसी अनधिकृत एवं असुरक्षित इमारतों का चिन्हांकन कर संयुक्त अभियान चलाने, उन्हें सील करने तथा जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। आमजन से अपील है कि ऐसी असुरक्षित इमारतों में संपत्ति खरीदने से बचें, जिससे किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

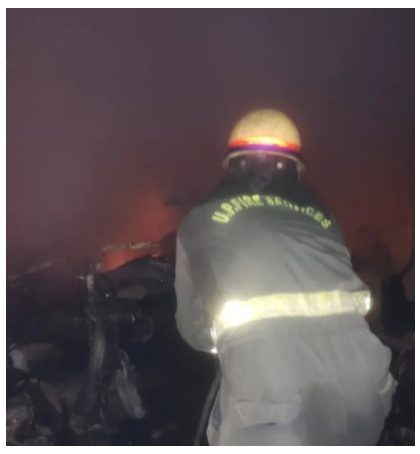



फीलखाना थाना क्षेत्र स्थित राधिका अपार्टमेंट में हुई दुखद अग्निकांड की घटना में घायल लोगों का स्वास्थ्य एवं उपचार संबंधी जानकारी लेने जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर उर्सला अस्पताल पहुंचे।



उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली तथा हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी ने चिकित्सकों को पूरी संवेदनशीलता के साथ घायलों का बेहतर एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपार्टमेंट अग्निकांड में बिल्डर समेत पांच नामजद

छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग



कानपुर। कानपुर के पटकापुर स्थित राधिका अपार्टमेंट अग्निकांड में 16 वर्षीय छात्र की मौत और उसकी मां के गंभीर रूप से झुलसने के मामले में नया मोड़ आ गया है। पीड़ित पिता अनिल बाथम की तहरीर पर बिल्डर मोहित तिवारी समेत पांच नामजद लोगों के खिलाफ फीलखाना थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। नक्शेदेखें

तहरीर में अवैध निर्माण, केडीए का फर्जी नक्शा दिखाकर फ्लैट बेचने, घटिया निर्माण सामग्री और फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं होने समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामले में केडीए के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं।

कन्नौज में पंकज चौधरी ने बारा समाज में भरा जोश, गिनाईं उपलब्धियां

» बीपीएस न्यूज

कन्नौज। घुमंतू समाज के ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से शहर के बोर्डिंग ग्राउंड में %घुमंतू गौरव समागम% एवं जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। आसपास के जनपदों से जुटी बारा समाज के लोगों की भीड़ में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से जोश भरा। इससे पहले सदर विधायक व समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने सधे हुए शब्दों में आवाहन और आगाह किया। कहा-एक रहेंगे तो ठीक रहेंगे। बटेंगे तो कटेंगे।

नियत समय से करीब ढाई घंटे की देर से कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने जनजातीय नायक भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। बारा समाज के रवींद्र की तरफ से घुमंतू समाज की भाषा शैली में मंच संचालन के क्रम में बंजारा समाज के अगुआकारों ने जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद छिबरामऊ विधायक अर्चना पांडे ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकारों के कामकाज गिनाए। साथ ही कहा कि आगे आने वाले चुनाव में सभी बढ़चढ़कर भागीदारी निभाएं। सतीश बंजारा ने भाजपा सरकार को सराहते हुए कहा कि वे लोग हमेशा से ही भाजपा को ही वोट देते आ रहे हैं। उनका समाज फेरी लगाने का काम करता है, सपा शासन में उनके गुंडे लूट लेते थे। अब घुमंतू समाज कल्याण बोर्ड का गठन हो जाने से किसी की हिम्मत नहीं है कि हाथ लगा दे।

राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर हमेशा खुद को भारतीय कहते थे। जाति-धर्म उनके लिए महत्व नहीं रखता था। कहा आज सभी घुमंतू परिवारों के लिए आवास, शौचालय, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र बन रहे हैं। सभी प्रमाण पत्र आपको घर जाकर दिए जाएंगे। बारा समाज के लोगों से नशे की लत से दूर रहने तथा बच्चों को पढ़ाने की अपील की। पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने जोशीला भाषण देते हुए साफ कहा कि घुमंतू समाज के लोगों को बच्चों के अच्छी शिक्षा देनी चाहिए। उन्होंने स्थानीय सांसद व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा उनके स्व. पिता मुलायम सिंह यादव पर भी तीखा हमला बोला। मुख्य अतिथि पंकज चौधरी ने कहा कि जब घुमंतू जाति के लोग आजादी और पहचान के लिए संघर्ष कर रहे थे तब प्रदेश के अवसरवादी दल क्या कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को विमुक्त जाति दिवस घोषित किया। प्रदेश की सरकारों ने कभी विमुक्त समाज की सुध भी लेने का काम नहीं किया। सभी ने उत्तर प्रदेश की जनता को जाति के नाम पर बांटने का काम किया।

बढें ट्रेनों के फेरे, त्योहारो पर नही होगी यात्रियों को असुविधा



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। त्योहारो को देखते तथा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड को देखते हुए रेलवे द्वारा ट्रेनों के फेरे बढाये जाने के क्रम में आज से एकतरफा पूजा विशेष दानापुर-आनंद बिहार अर्मिनल को चलाया जा रहा है जो 17 नवंबर को दानापुर से दोपहर तीन बजे चलकर रात ढाई बजे गोविंदपुरी तथा दूसरे दिन दोपहर साढे बारह बजे आनंद विहार अर्मिनल पहुंचेगी

।यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेनो के फेरे बढाये गये है, जिसके अंतर्गत 03439 शूकरबस्ती-मालदा टाउन विशेष 17 तथा 22 नवम्बर को शूकरबस्ती से शाम साढे छै बजे चलकर रत को डेढ बजे गोविंदपुरी तथा तीसरे दिना दोपहर डेढ बजे मालदा टाउन पहुंचेगी।

इसी प्रकार 04054-04053 नई दिल्ली हावडा विशेष ट्रेन नई दिल्ली से 18 नवबंर को तथा हावडा से 18 व 20 नवंबर को तीन अतिरिक्त फेरे लगेंगे।

01667/01668 रानी कमलापति-दानापुर द्वि साप्ताहिक विशेष 27 नवंबर तक तथा रानी कमलापति-दानापुर साप्ताहिक ट्रेनो के भी दो फेरो को बढाया गया है। 09133 प्रतापनगर रक्सौल आज शाम 5.05 बजे कानपुर सेंट्रल और तीसरे दिन बुबह साढे छे बजे रक्सौल पहुंचेगी। 09722 भागलपुर-जयपुर 18 नवम्बर को रात साढे नौ बजे भागलपुर से चलकर अगले दिन शाम चार बजकर पांच मिनट पर गोविंदपुरी और तीसरे दिन दोपहर साढे तीन बजे जयपुर पहुंचेगी।

आईएएस अधिकारी एस. राजलिंगम ने कानपुर मंडलायुक्त का संभाला कार्यभार, दिए निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2009 बैच के वरिष्ठ अधिकारी एस. राजलिंगम ने सोमवार देर रात कानपुर मंडल के नए मंडलायुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। शासन द्वारा किए गए स्थानांतरण के क्रम में उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली है। इससे पूर्व वह वाराणसी मंडल के मंडलायुक्त पद पर कार्यरत थे। नक्शेदेखें





मूल रूप से तमिलनाडु के निवासी एस. राजलिंगम ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की उपाधि प्राप्त की है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होने के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश कैडर आवंटित हुआ। उन्होंने अमेरिका की सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी के मैक्सवेल स्कूल से लोक प्रशासन के क्षेत्र में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।एस. राजलिंगम ने प्रशासनिक सेवा की शुरुआत बांदा में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में की थी। इसके बाद वह देवरिया में मुख्य विकास अधिकारी तथा औरैया, सुल्तानपुर, सोनभद्र, कुशीनगर और वाराणसी में जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने शासन स्तर पर दुग्ध विकास, वाणिज्य कर, बेसिक शिक्षा एवं नगर विकास विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण दायित्वों का भी निर्वहन किया है। इसके अतिरिक्त वह अयोध्या में नगर आयुक्त के पद पर भी सेवाएं दे चुके हैं।

वाराणसी में जिलाधिकारी के रूप में कार्य करने के उपरांत उन्होंने वहां मंडलायुक्त का दायित्व संभाला था। अब शासन ने उन्हें कानपुर मंडल के मंडलायुक्त की जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यभार संभालने के बाद मंडलायुक्त कार्यालय का किया निरीक्षणनवागत मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत मंगलवार को मंडलायुक्त कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय के विभिन्न पटलों का अवलोकन कर वहां संपादित किए जा रहे कार्यों एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। मंडलायुक्त ने कहा कि उनकी प्राथमिकता शासन की परियोजनाओं को धरातल पर उतारना और योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने की स्वगणना जनपदवासियों से बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील

» जनगणना में दी गई सभी सूचनाएं रहेंगी गोपनीय और सुरक्षित, विधानसभा अध्यक्ष ने किया आश्वस्त

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनगणना-2027 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में संचालित स्वगणना अभियान में मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर जनभागीदारी का संदेश दिया। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए स्वगणना अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करें।विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश में जनगणना का महत्वपूर्ण अभियान संचालित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से प्रारंभ हुआ स्वगणना अभियान 30 नवंबर तक चलेगा। इस अवधि में लोग आधिकारिक जनगणना पोर्टल पर स्वयं अपनी एवं परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इस सुविधा का लाभ उठाते हुए स्वगणना में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।उन्होंने जनगणना के दौरान उपलब्ध कराई जाने वाली सूचनाओं की गोपनीयता को लेकर भी आमजन को आश्वस्त



किया। उन्होंने कहा कि स्वगणना के माध्यम से दर्ज की जाने वाली सभी सूचनाएं पूर्णतः गोपनीय हैं और भारत सरकार के पास सुरक्षित रहेंगी। इसलिए किसी प्रकार की आशंका के बिना लोग अपनी सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें।विधानसभा अध्यक्ष ने जनपदवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जागरूक बनें और स्वगणना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। जनगणना देश के विकास और भविष्य की योजनाओं के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। इसमें प्रत्येक परिवार की सहभागिता आवश्यक है।उल्लेखनीय है कि जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना की सुविधा आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर 30 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य करेंगे।

दिन व रात के तापमान का अंतर बढा रहा बीमारियों का खतरा

» दोपहर में पारा 30 डिग्री से ऊपर तो रात में 14 डिग्री के आस-पास

» संक्रमण फैलने के लिए वातावरण अनुकूल, हर घर में फैला संक्रमण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिन और रात के तापमान के भारी अंतर के चलते जहां संक्रमण की बीमारियां तेजी से फैल रही है तो वहीं यह समय संक्रमण फैलने का माना जा रहा है। बताया जाता है कि गर्मी और वातावरण में नमी के कारण वैक्टीरिया को पनपने का अवसर मिलता है और जिसके चलते लोग बुखार, जुकाम, खांसी आदि बीमारियों से ग्रसित होते है।दीपावली के बाद अब आधा नवम्बर भी बीत चुका है लेकिन अभी सर्दी नही हो रही है। हांलाकि रात में सिरहन पैदा करने वाली ठंड होने लगी है लेकिन इसका दिन में कोई प्रभाव नही दिखाई दे रहा है। रात और दिन के तापमान में काफी अंतर देखने को मिल रहा है। जहां दिन का पारा 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चल रहा तो दूसरी ओर रात का तापमान 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। कई घरों में पंखे चलते है लेकिन रात में ठंड का स्तर बढता है। ऐसे में बीमारी का खतरा भी बना रहता है। वही अब आने वाले कुछ दिनों तक आसमान साफ रहेगा, वर्षा के कोई भी आसार नही है। देर रात तथा सुबह की धुंध बढेगी। मौसम विभाग द्वारा बताया गया कि अभी एक सप्ताह तक दिन का तापमान ऐसे ही बना रहेगा उसके बाद सर्दी बढेगी। बदलते मौसम में बच्चों और बुजुर्गो की सेहत की देखभाल का खास ख्याल रखने को कहा गया।



वेतन बढ़ोतरी और बोनस की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों का धरना



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर वेतन बढ़ोतरी और बोनस की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों ने धरना दिया। यूनियन महामंत्री मोहम्मद खालिद के नेतृत्व में प्राइवेट सफाई कर्मचारी धरने पर बैठे।

धरने के दौरान महामंत्री मोहम्मद खालिद ने कहा कि रेलवे स्टेशन पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को कोई वेतन नही दिया गया, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश है।। कहा काफी समय से सफाई कर्मचारी वेतन बढ़ाने की भी मांग करते आ रहे है। इस कारण सफाई कर्मचारियों ने आज रेलवे स्टेशन पर अपनी मांगों को लेकर धरना दिया। धरने की सूचना पर सीएचसी समेत कई रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे, कर्मचारियों से की बातचीत करते हुए धरना समाप्त करने का प्रयास करते नजर आये।

सीएसए में छः दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व में मशरूम उत्पादन तकनीक पर छ-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 नवंबर से 21 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए सुनहरा अवसर है।उन्होंने बताया कि हमारा देश कृषि प्रधान है और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य उद्योगों में भी प्रशिक्षण देना जरूरी है। डॉ.श्रीवास्तव ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी।साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। नोडल अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने आगे बताया कि प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए 1500/- रुपया पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9839818899 एवं 8218483463 पर संपर्क करें ।

अब मॉक ड्रिल, सायरन और ब्लैकआउट के माध्यम से परखी जाएंगी आपातकालीन तैयारियां

» सेना के सहयोग से मजबूत होगा कानपुर का सुरक्षा कवच, आधुनिक युद्ध और आपदा से निपटने का मिलेगा प्रशिक्षण

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। वर्तमान वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और आधुनिक युद्ध की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए कानपुर की नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। इसके लिए सेना के सहयोग से शहर की भौगोलिक, औद्योगिक एवं सामरिक परिस्थितियों के अनुरूप विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों को आधुनिक एवं हाइब्रिड युद्ध, साइबर वारफेयर, सूचना युद्ध तथा आपदा की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही मॉक ड्रिल के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखा जाएगा।शुक्रवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आयोजित सिविल डिफेंस की बैठक में नागरिक सुरक्षा की तैयारियों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में पारंपरिक आपदाओं के साथ आधुनिक युद्ध की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना आवश्यक है। कानपुर जैसे बड़े औद्योगिक शहर की सुरक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी कार्ययोजना विकसित की जाए, जिससे किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में नागरिक सुरक्षा तंत्र त्वरित एवं प्रभावी ढंग से कार्य कर सके।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सेना के विशेषज्ञ सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों को विशेष प्रशिक्षण देंगे। इसमें युद्ध अथवा आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त भवनों के मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित निकालने, खोज एवं बचाव अभियान संचालित करने, घायलों को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराने तथा राहत कार्यों के समन्वय की जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त आधुनिक एवं हाइब्रिड युद्ध की चुनौतियों, साइबर हमलों और सूचना युद्ध के माध्यम से फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। नवंबर के अंतिम सप्ताह में इन विषयों पर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।जिलाधिकारी ने कहा कि नागरिक सुरक्षा की प्रभावशीलता केवल संसाधनों की उपलब्धता से नहीं, बल्कि प्रशिक्षित स्वयंसेवकों, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और नियमित अभ्यास से सुनिश्चित होती है। सेना के अनुभव एवं विशेषज्ञता का लाभ लेते हुए सिविल डिफेंस की क्षमता विकसित की जाएगी। प्रशिक्षण में आपातकालीन प्रतिक्रिया, रेस्क्यू ऑपरेशन और राहत प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठक में आगामी 22 नवंबर को आजाद नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज में प्रस्तावित नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। सेना के सहयोग से आयोजित इस अभ्यास में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान नागरिक सुरक्षा तंत्र की प्रतिक्रिया, बचाव एवं राहत कार्यों तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय का परीक्षण किया जाएगा। मॉक ड्रिल के दौरान आजाद नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज में सायरन बजाने और ब्लैकआउट का अभ्यास भी किया जाएगा।

अभ्यास के दौरान सेना के अधिकारी सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों को आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली आवश्यक तकनीकों और बचाव के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी देंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को मॉक ड्रिल की सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने तथा स्थानीय स्तर पर आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में असम रेजिमेंट के कर्नल शिवेंद्र तिवारी, मेजर मोहित, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ सिंह, उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा ममता रानी, राजीव सिंह सहित सिविल डिफेंस एवं संबंधित विभागों के विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

सदर तहसील में जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने किया ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का शुभारंभ

» मतदान प्रक्रिया से रूबरू होंगे आमजन, ईवीएम-वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझने का मिलेगा अवसर

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) की कार्यप्रणाली से परिचित कराने के लिए जनपद की चारों तहसीलों में ईवीएम प्रदर्शन केंद्र स्थापित किए गए हैं। शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने सदर तहसील में स्थापित ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का शुभारंभ किया। इन केंद्रों पर आमजन ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली का अवलोकन कर मतदान प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रदर्शन केंद्र का निरीक्षण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली के संबंध में मतदाताओं को जागरूक करना आवश्यक है।

केंद्र पर आने वाले लोगों को ईवीएम के माध्यम से मतदान करने तथा वीवीपैट के जरिए अपने मत का सत्यापन करने की प्रक्रिया समझाई जाए। साथ ही मतदान प्रक्रिया से संबंधित उनकी जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान किया जाए।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदर्शन केंद्रों पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मशीनों की कार्यप्रणाली सरल भाषा में समझाई जाए। आगंतुकों का विवरण निर्धारित रजिस्टर में नियमित रूप से दर्ज किया जाए तथा अधिक से अधिक लोगों को इन केंद्रों के माध्यम से जागरूक किया जाए।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सदर सहित जनपद की चारों तहसीलों में स्थापित ईवीएम प्रदर्शन केंद्र आमजन के अवलोकन के लिए उपलब्ध हैं। इच्छुक व्यक्ति इन केंद्रों पर जाकर ईवीएम एवं वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। इससे मतदाताओं को मतदान की तकनीकी प्रक्रिया की जानकारी मिलेगी और निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

आईजीआरएस शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी: एडीएम सिटी

निस्तारण में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित विभागों को चेतावनी, कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की निस्तारण प्रगति, शिकायतकर्ताओं के फीडबैक, कॉलिंग प्रतिशत तथा डिफॉल्टर एवं सी श्रेणी के प्रकरणों की समीक्षा की गई। अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित विभागों को चेतावनी देते हुए कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी नगर ने शिकायतों की निस्तारण आख्याओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रायः संज्ञान में आ रहा है कि विभागों द्वारा प्रेषित आख्याएं न तो गुणवत्तापूर्ण होती हैं और न ही संबंधित प्रकरण के अनुरूप। ऐसी स्थिति स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक शिकायत का समुचित परीक्षण कर प्रकरण से संबंधित तथ्यपरक आख्या प्रस्तुत की जाए, जिसमें की गई कार्रवाई का पूरा विवरण हो। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर शिकायत का निस्तारण केवल आख्या अपलोड करने की औपचारिकता नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या के वास्तविक समाधान पर केंद्रित होना चाहिए।बैठक में नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, केस्को, समाज कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की गई। डिफॉल्टर एवं सी श्रेणी के प्रकरणों पर विशेष ध्यान देते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने तथा निस्तारण की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी विभागों को फीडबैक 60 प्रतिशत तथा कॉलिंग 80 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए समयसीमा के भीतर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा।अपर जिलाधिकारी नगर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईजीआरएस शिकायतों की निगरानी स्वयं करें और केवल कंप्यूटर ऑपरेटर के भरोसे निस्तारण की जिम्मेदारी न छोड़ें। अधिकारी नियमित रूप से पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों, लंबित प्रकरणों, निस्तारण आख्याओं एवं शिकायतकर्ताओं के फीडबैक की समीक्षा करें। शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के साथ शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि को भी प्राथमिकता दी जाए।

राधिका अपार्टमेंट अग्निकांड में दो लोगों की हुई थी मौत ,जिन्हे क्षेत्रीय लोगों ने दी श्रद्धांजलि



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। 16 नवम्बर 2026 को प्रातः लगभग 5 बजे पटकापुर स्थित 19/74ए में स्थित राधिका अपार्टमेंट जो कि 5 मंजिला था, उसमें रहने वाले परिवार सो रहे थे कि किन्हीं कारणों से ग्राउंड फ्लोर पर आग लग गयी जो कि 5 मंजिल तक फैल गई। जिसकी चपेट में आकर 2 लोगों की मृत्यु हो गई। जिन्हें आज क्षेत्रिय नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस अग्निकांड का जो भी दोषी है उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।सुभाष गौड़, विनय गुप्ता, योगेश पाण्डेय,अनुभव पाण्डेय, सिद्धार्थ अवस्थी, अरूण अस्थाना, विकास जायसवाल, रुद्र नारायण, कुलदीप, कमल बाजपेई, धरमु तिवारी, प्रखर तिवारी, अनिल वर्मा, सौरभ शुक्ला, छोटू आदि छेत्रीय नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी।

पट्टा गायब, रिकॉर्ड खाली, फिर भी जमीनों पर कब्जे का खेल जारी

» आखिर किसके इशारे पर चल रहा है भू-माफिया का यह 'पट्टा कांड'?

» 1944 के कथित फर्जी पट्टे पर बवाल, लेखपाल की रिपोर्ट और पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। नरामऊ क्षेत्र में वर्ष 1944 के एक कथित पट्टे को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। आरोप है कि जिस पट्टे का राजस्व अभिलेखों में कोई रिकॉर्ड ही मौजूद नहीं है, उसी के आधार पर लेखपाल की रिपोर्ट जारी कर जमीनों की पैमाइश और कब्जे कराने का खेल चल रहा है। आरोप यह भी है कि इस पूरे खेल में भू-माफिया और कुछ जिम्मेदार लोगों की मिलीभगत हो सकती है।

हैरानी की बात यह है कि पीड़ित द्वारा लगातार इस कथित पट्टे की प्रामाणिकता की जांच, जब्ती और ख़स्रू जांच की मांग की जा रही है, लेकिन पुलिस की आख्या में पट्टे की जांच का उल्लेख तक नहीं किया गया।

अब शिकायतकर्ता आकिब अनवर ने पुलिस उपमहानिरीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन एवं संबंधित उच्चाधिकारियों को शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है कि कथित पट्टे को जब्त एवं सील कराकर ख़स्रू जांच कराई जाए तथा लेखपाल की रिपोर्ट, जमीनों की पैमाइश और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो।

अब सवाल सीधा है – जब सरकारी रिकॉर्ड में पट्टे का कोई अता-पता नहीं है, तो आखिर उसी कागज के दम पर जमीनों की पैमाइश और कब्जे कैसे? क्या भू-माफिया को कानून से ऊपर समझ लिया गया है? अब देखना यह है कि डीआईजी और पुलिस प्रशासन इस कथित पट्टा कांड की निष्पक्ष जांच कराते हैं या फिर शिकायतकर्ता को न्याय के लिए दफ्तरों के चक्कर ही काटने पड़ेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने दिए निर्देश कम टीकाकरण वाले क्षेत्रों में चलाएं विशेष अभियान

खसरा-रूबेला उन्मूलन और रोग निगरानी को लेकर कार्यशाला, संदिग्ध मामलों की तत्काल रिपोर्टिंग पर जोर

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। खसरा-रूबेला उन्मूलन के लिए टीकाकरण से छूटे प्रत्येक बच्चे की पहचान कर उसका टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा। कम टीकाकरण वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर विशेष अभियान चलाने के साथ ही टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी। इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने गुरुवार को आयोजित जनपद स्तरीय कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। राष्ट्रीय स्तर पर खसरा-रूबेला उन्मूलन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से जेएसआई (जॉन स्नो इंडिया) के तकनीकी सहयोग से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की। उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण से कोई भी पात्र बच्चा वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग कम टीकाकरण वाले क्षेत्रों की पहचान कर विशेष कार्ययोजना तैयार करे। एमआर-1 और एमआर-2 की निर्धारित खुराक से छूटे बच्चों को चिह्नित कर उनका शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने खसरा-रूबेला सहित टीके से रोकी जा सकने वाली बीमारियों के संदिग्ध मामलों की तत्काल सूचना देने, समयबद्ध जांच और नमूना संग्रह की व्यवस्था प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार तथा आपूर्ति विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।

साथ ही नियमित समीक्षा के माध्यम से टीकाकरण एवं रोग निगरानी के निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने खसरा-रूबेला उन्मूलन की रणनीति, नियमित टीकाकरण की गुणवत्ता, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान तथा वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी के संबंध में तकनीकी जानकारी दी। संदिग्ध मामलों की समयबद्ध रिपोर्टिंग, जांच, नमूना संग्रह और निगरानी की प्रक्रिया को मजबूत बनाने पर विशेष चर्चा हुई। चिकित्सा अधिकारियों को इन प्रक्रियाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया।

कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरि दत्त नेमी, डॉ. रमित रस्तोगी, डॉ. आर.पी. मिश्रा, शहरी स्वास्थ्य के नोडल अधिकारी डॉ. कैलाश चंद्र, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एस.पी. यादव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अश्वनी कुमार तथा शहरी स्वास्थ्य समन्वयक मिलिंद गौतम सहित चिकित्सा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। लखनऊ से आए विशेषज्ञ डॉ. आशीष मौर्य, डॉ. चेतन यादव, डॉ. विभोर कौशिक, पुनीत श्रीवास्तव एवं गौरव पंत तथा दिल्ली से आए डॉ. अनुपम वर्मा ने तकनीकी मार्गदर्शन दिया। जेएसआई की कार्यक्रम अधिकारी हुदा ज़ेहरा ने भी सहभागिता की। कार्यशाला में नगर निगम, शिक्षा, बाल विकास एवं पुष्टाहार तथा आपूर्ति विभाग के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चकरपुर मंडी के औचक निरीक्षण में सफाई व्यवस्था बदहाल, दो अधिकारियों को नोटिस

» जगह-जगह मिली गंदगी, चोक मिलीं नालियां; निदेशक ने अधिकारियों को लगाई फटकार



कानपुर। चकरपुर मंडी में सफाई व्यवस्था की बदहाली पर उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। बुधवार को औचक निरीक्षण के दौरान जगह-जगह गंदगी और चोक नालियां मिलने पर उन्होंने उपनिदेशक प्रशासन (विपणन) संजय कुमार सिंह और मंडी समिति कानपुर के सचिव विजिन कुमार बालियान को कड़ी फटकार लगाई। दोनों अधिकारियों को नोटिस जारी कर दस दिन में व्यवस्थाएं सुधारने की मोहलत दी गई है। निर्धारित अवधि में सुधार नहीं होने पर निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। 28 नवंबर को निदेशालय की टीम मंडी की व्यवस्थाओं की दोबारा जांच करेगी। ताज़ासब्जियां लें

निरीक्षण के दौरान निदेशक को मंडी परिसर में कई स्थानों पर गंदगी मिली। नालियां चोक मिलीं, जिनकी कई दिनों से सफाई नहीं हुई थी। सफाई व्यवस्था पर हर महीने पर्याप्त धनराशि खर्च होने के बावजूद ऐसी स्थिति मिलने पर उन्होंने अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने नालियों की सफाई, कूड़े का नियमित उठान और पूरे परिसर में स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही मंडी परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराने और खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कराने को कहा।

निदेशक ने मंडी परिसर में पीपीपी मॉडल पर निर्माणाधीन दस सीटों वाले सार्वजनिक शौचालय की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही परिसर में निर्माणाधीन नीलामी चबूतरे का निरीक्षण कर उसे 15 दिन के भीतर पूरा कराने को कहा। उन्होंने मंडी में चल रहे निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान निदेशक ने मंडी में कारोबार करने वाले व्यापारियों और आढ़तियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। व्यापारियों ने मंडी में पेयजल की सुविधा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त वाटर कूलर लगवाने की मांग की। वर्तमान में मंडी परिसर में छह वाटर कूलर क्रियाशील हैं। व्यापारियों ने बताया कि चकरपुर मंडी की बिजली आपूर्ति वर्तमान में ग्रामीण फीडर से जुड़ी है। उन्होंने मंडी को शहरी फीडर से जोड़ने की मांग उठाई। निदेशक ने दोनों मांगों पर आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।

निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश की मंडियों में सितंबर-अक्टूबर से 'स्वच्छ मंडी, शुभ मंडी' अभियान चलाया जा रहा है। इसके बावजूद चकरपुर मंडी में सफाई व्यवस्था की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली है। संबंधित अधिकारियों को कमियां दूर करने के लिए दस दिन का समय दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

19 नवंबर से 7 दिसंबर तक चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान,पात्र व्यक्ति अवश्य करें दवा का सेवन

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने जनपदवासियों को अवगत कराया है कि फाइलेरिया, जिसे आम बोलचाल की भाषा में हाथीपांव कहा जाता है, एक गंभीर बीमारी है। इसके उन्मूलन के लिए जनपद में 19 नवंबर से 7 दिसंबर 2026 तक सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाया जाएगा।जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर पात्र व्यक्तियों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाई जाएगी। एक वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को छोड़कर अन्य सभी पात्र व्यक्ति दवा का सेवन करें।

उन्होंने बताया कि फाइलेरिया के कारण हाथ-पैर में असामान्य सूजन आ सकती है, जिसे आमतौर पर हाथीपांव कहा जाता है। इस बीमारी से बचाव का प्रभावी उपाय निर्धारित दवा का नियमित सेवन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दवा का सेवन स्वास्थ्य कर्मियों के सामने ही करें और उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के चार ब्लॉक बिधनू, बिल्हौर, ककवन एवं चौबेपुर में विशेष रूप से यह अभियान संचालित किया जाएगा। इन क्षेत्रों में समय-समय पर फाइलेरिया के मामले सामने आते रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीमारी के उन्मूलन के लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि 19 नवंबर से 7 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करें, स्वयं दवा का सेवन करें तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी दवा सेवन के लिए प्रेरित करें। यदि किसी व्यक्ति के संज्ञान में फाइलेरिया से प्रभावित कोई अन्य व्यक्ति आता है तो इसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को अवश्य दें।

181 सीटों की मांग से सपा कांग्रेस गठबंधन में बढ़ी तकरार

2027 के चुनाव से पहले सीटों के बंटवारे पर पेच, कांग्रेस की औपचारिक बातचीत टली, इमरान मसूद बोले-दो-तीन दिन में हो सकती है बैठक

» बीपी एस न्यूज



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन की सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर मतभेद उभरने लगे हैं। कांग्रेस की ओर से सपा से 181 विधानसभा सीटों की मांग किए जाने की चर्चा ने गठबंधन के भीतर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। हालांकि कांग्रेस के कुछ नेताओं का कहना है कि पार्टी की दावेदारी 100 से अधिक सीटों पर है। ऐसे में सीटों की वास्तविक संख्या और दोनों दलों के बीच सहमति को लेकर तस्वीर अभी साफ नहीं है।सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई बैठक में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल और उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में चुनावी रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों और गठबंधन की शर्तों पर चर्चा हुई। कांग्रेस ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह 100 से कम सीटों पर समझौता करने के पक्ष में नहीं है। पार्टी के नेताओं का तर्क है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन का लाभ दोनों दलों को मिला था।

दूसरी ओर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सीटों के बंटवारे में जीत की संभावना को सबसे बड़ा आधार बनाने की बात कह चुके हैं। उनका कहना है कि जिस विधानसभा क्षेत्र में जिस दल का उम्मीदवार मजबूत होगा, उसे ही प्राथमिकता दी जाएगी। सपा के लिए कांग्रेस की 181 सीटों की मांग स्वीकार करना आसान नहीं है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, कांग्रेस की सूची में सपा के करीब 22 मौजूदा विधायकों वाली सीटें भी शामिल हैं। इनमें अमेठी, सहारनपुर देहात, बेहट, मुरादाबाद और कानपुर कैंट जैसे क्षेत्र बताए जा रहे हैं।

मंगलवार की बैठक टली, बातचीत का इंतजार

सीटों के बंटवारे को लेकर मंगलवार को प्रस्तावित औपचारिक बातचीत टल गई। कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद के मुताबिक, अगले दो-तीन दिनों में दोनों दलों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक होने की संभावना है। ऐसे में अब सबकी नजर अगली बैठक पर है, जिसमें सीटों की संख्या के साथ विधानसभा क्षेत्रों को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

दरअसल, 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को महज दो सीटों पर जीत मिली थी, जबकि सपा ने 111 सीटें हासिल की थीं। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में गठबंधन को 43 सीटों पर सफलता मिली थी। कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़कर छह सीटें जीती थीं। इसी प्रदर्शन को आधार बनाकर कांग्रेस विधानसभा चुनाव में अधिक हिस्सेदारी चाहती है। सीटों के बंटवारे को लेकर मंगलवार को प्रस्तावित औपचारिक बातचीत टल गई। कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद के मुताबिक, अगले दो-तीन दिनों में दोनों दलों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक होने की संभावना है। ऐसे में अब सबकी नजर अगली बैठक पर है, जिसमें सीटों की संख्या के साथ विधानसभा क्षेत्रों को लेकर भी चर्चा हो सकती है।अब चुनौती दोनों दलों के बीच सम्मानजनक समझौता करने की है। कांग्रेस जहां अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है, वहीं सपा अपने मौजूदा विधायकों और मजबूत क्षेत्रों को छोड़ने के पक्ष में नहीं दिख रही। सीटों पर सहमति नहीं बनी तो इसका असर विपक्षी गठबंधन की चुनावी तैयारियों पर पड़ सकता है।

भाजपा का महामंथन

बैठक में पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पीडीए की काट और टिकट बंटवारे पर चर्चा

» बीपी एस न्यूज



मथुरा । मथुरा में फरह के परखम स्थित गो ग्राम में भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक के दूसरे दिन मंगलवार को भी सियासी गतिविधियां तेज रहीं। सुबह गोपाष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गो ग्राम परखम पहुंचकर विधि-विधान से गोपूजन किया। इस दौरान दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। दोपहर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे।

बैठक में चार बिंदुओं पर तैयार हो रही चुनावी रणनीति में कृष्ण जन्मभूमि, बूथ पर यूथ, सुशासन और महिला सशक्तिकरण शामिल है। पीडीए की काट करने के लिए भी 54 दिग्गज नेताओं की टीम मंथन में जुटी है।

सबसे ज्यादा चर्चा टिकट कटने पर भी है। वहीं टिकटार्थी भी इस और टकटकी लगाए बैठे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल ही इस बैठक में भाग लेने के लिए यहां आ गए थे। वह रात को भी यही ठहरे और कल भी काफी देर तक मंथन चला। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष के जुड़ने के बाद यह शिविर और महत्वपूर्ण हो गया है।

इस बैठक में तमाम बिंदुओं पर चर्चा की जा रही है।

बैठक के पहले दिन संगठन और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर व्यापक मंथन हुआ। इसमें राष्ट्रीय और स्थानीय टीम के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। संगठन की जमीनी स्थिति, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। पहले दिन हुए मंथन की पूरी रिपोर्ट पार्टी पदाधिकारी मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को सौंपेंगे।

उनके सामने पहले दिन हुई चर्चा और संगठनात्मक तैयारियों का ब्योरा रखा जाएगा। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योजना बैठक के बाद बरसाना जाएंगे। यहां वह संत रमेश बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर तीन बजे बैठक स्थल से बरसाना के लिए रवाना होंगे। उनके बरसाना दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर भी तैयारियां की गई हैं।

यूपी सरकार की अपील खारिज, सुप्रीम कोर्ट से आजम खान व पत्नी और बेटे को भी मिली राहत

» बीपी एस न्यूज



नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की अपील खारिज कर दी, जिसमें आजम खान की दोषसिद्धि पर रोक लगाई गई थी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान की पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम खान की अपील स्वीकार करते हुए उनकी दोषसिद्धि पर भी रोक लगा दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने यह फैसला सुनाया। दरअसल, यह पूरा मामला अब्दुल्ला आजम खान के दो अलग-अलग जन्म प्रमाणपत्र बनवाने से जुड़ा है। आरोप था कि उनके दो जन्म प्रमाणपत्र जारी कराए गए थे, जिनमें जन्मतिथि और जन्मस्थान अलग-अलग दर्ज थे। इस मामले में रामपुर से भाजपा विधायक आकाश सक्सेना की शिकायत पर 3 जनवरी 2019 को मुकदमा दर्ज हुआ था। रामपुर की निचली अदालत ने 18 अक्टूबर 2023 को आजम खान, उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश सहित विभिन्न आरोपों में दोषी ठहराते हुए तीनों को 7-7 साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद तीनों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील की थी। 24 मई 2024 को हाईकोर्ट ने आजम खान की दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें राहत दी थी, लेकिन उनकी पत्नी और बेटे की दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। इसी आदेश को उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जबकि पत्नी और बेटे ने भी समान राहत के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी और पत्नी-बेटे को भी राहत प्रदान कर दी। हालांकि, इस आदेश का अर्थ तीनों का मामले में बरी होना नहीं है। फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले की मुख्य अपीलों पर अंतिम फैसला होना अभी बाकी है।

मैं और मेरा परिवार डरा हुआ है- दोषियों को जमानत मिलने पर बिलकिस बोलीं- न्याय मिलने का भरोसा टूटता दिख रहा

» बीपी एस न्यूज



नई दिल्ली ।2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए दो लोगों को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। शीर्ष अदालत के इस फैसले पर बिलकिस बानो ने गहरा दुख, हैरानी और अविश्वास जताया है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें सुने बिना दोषियों की उम्रकैद की सजा पर रोक कैसे लगा दी गई।मीडिया को जारी बयान में बिलकिस बानो ने कहा कि उन्हें इस आदेश की जानकारी अदालत से नहीं, बल्कि मीडिया में आई खबरों से मिली। उन्होंने कहा कि दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बुलाए बिना और उनका पक्ष सुने बिना आदेश पारित किया है।

आज फिर न्याय मिलने का भरोसा टूटता दिख रहा है

बिलकिस बानो ने अपने बयान में कहा ÷दर्द, सदमे और अविश्वास के बीच मेरे पास कहने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बुलाए बिना और मेरी बात सुने बिना आदेश दे दिया। मुझे इसकी जानकारी मीडिया की खबरों से मिली।

उन्होंने बताया कि जब उनके साथ यह घटना हुई, तब वह महज 19 साल की थीं। उस समय उनकी छोटी बेटी, परिवार, घर और इंसानियत पर उनका भरोसा सब कुछ छिन गया था। उन्होंने कहा कि पिछले 24 वर्षों से वह अपने और दूसरी महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं। बिलकिस ने कहा कि परिवार और दोस्तों के सहयोग से उन्होंने अपनी जिंदगी को दोबारा संवारने की कोशिश की और शांति से जीने की उम्मीद की। लेकिन आज उन्हें लगता है कि जिस न्याय के लिए उन्होंने लंबी लड़ाई लड़ी, वह फिर उनसे छिन रहा है।

बिलकिस बानो ने कहा कि इस फैसले के बाद उनके पुराने डर फिर लौट आए हैं। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर डरी हुई हूं। मुझे अपने लिए, अपने परिवार और अपने बच्चों के लिए डर लग रहा है। मुझे इस बात का भी डर है कि कहीं मेरा न्याय व्यवस्था से भरोसा फिर न उठ जाए। उन्होंने सवाल किया कि जिन लोगों ने उनके साथ अपराध किया, उनकी सजा पर रोक लगाने से पहले उनकी आवाज क्यों नहीं सुनी गई? उन्हें इस फैसले की जानकारी तक क्यों नहीं दी गई?

बिलकिस बानो ने साफ कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को चुनौती देंगी। उन्होंने कहा कि उनके बच्चों को पूरी जिंदगी इन डर और जख्मों के साये में नहीं जीना चाहिए। उन्होंने अपनी तीन साल की बेटी सालेहा का जिक्र करते हुए कहा कि वह यह लड़ाई उसकी याद और न्याय के लिए लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि वह यह संघर्ष देश की दूसरी महिलाओं के लिए भी जारी रखेंगी, ताकि किसी महिला या पीड़िता को जीवनभर न्याय के लिए संघर्ष न करना पड़े।

प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग से तय होगा दुनिया का भविष्य, आसियान से पीएम मोदी का संदेश



» बीपी एस न्यूज

मनीला। भारत और आसियान देशों के बीच सहयोग अब समुद्र से अंतरिक्ष तक नई ऊंचाइयां छूने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मनीला में आयोजित 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन में समुद्री सुरक्षा, साइबर प्रशिक्षण, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और युवा सहभागिता जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के कई प्रस्ताव रखे। उन्होंने कहा कि भारत और आसियान को केवल तकनीक का इस्तेमाल करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मिलकर नई तकनीक विकसित करने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए।प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आसियान देशों से क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने मुक्त, खुले, समावेशी और नियम आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हुए कहा कि भविष्य प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि आपसी सहयोग से तय होगा। पीएम ने आसियान की एकता और क्षेत्रीय केंद्रीय भूमिका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता भी दोहराई।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति ने आसियान देशों के साथ संबंधों को नई गति और गहराई दी है। वर्ष 2027 भारत-आसियान संबंधों के लिहाज से खास होगा। इस दौरान दोनों पक्षों के राजनयिक संबंधों के 35 वर्ष और व्यापक रणनीतिक साझेदारी के पांच वर्ष पूरे होंगे। इसके साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्तियों की संख्या बढ़ाने की बात कही। इन पहलों का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच पर्यटन, शिक्षा और लोगों के आपसी संपर्क को बढ़ावा देना है।प्रधानमंत्री ने संयुक्त साइबर फॉरेंसिक प्रशिक्षण और अंतरिक्ष क्षेत्र में हैकाथॉन आयोजित करने सहित कई प्रस्ताव सामने रखे।

रांची की जेल में युवक से कुकर्म : जेल अधिकारियों समेत 19 लोगों पर मुकदमा

जबरन नशीले पदार्थ खिलाने और शिकायत फाड़ने का भी आरोप

» बीपी एस न्यूज

रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के अधिकारियों समेत कुल 19 लोगों के खिलाफ पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि जब उनका 20 वर्षीय बेटा विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद था, तब जेल के भीतर उसके साथ कथित तौर पर कुकर्म किया गया और उसे जबरन नशीले पदार्थों का सेवन कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर गहनता से जाँच शुरू कर दी गई है।रातु थाना क्षेत्र के निवासी शिकायतकर्ता पिता ने अपनी तहरीर में बताया कि उनका बेटा एक मामले के सिलसिले में विचाराधीन कैदी के तौर पर बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद था, जिसे 12 जून को अदालत द्वारा सभी आरोपों से बरी कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने शिकायत का हवाला देते हुए जानकारी दी कि जेल से रिहा होने के बाद युवक गहरी मानसिक पीड़ा में था, जिसके बाद उसने अपने परिवार को जेल के भीतर हुई पूरी आपबीती सुनाई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कारागार के भीतर सक्रिय विचाराधीन कैदियों के %गिरोहों% ने युवक के साथ कथित तौर पर तीन बार कुकर्म किया और उसे जबरन मादक पदार्थों का सेवन भी कराया।पीड़ित के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि जब पीड़ित युवक ने अपने साथ हुए इस अमानवीय व्यवहार की लिखित शिकायत जेल अधिकारियों से की, तो उसकी शिकायत को फाड़ दिया गया और उसे जेल के भीतर आवश्यक चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध नहीं कराई गई। मामले की जानकारी देते हुए सदर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) संजीव बेसरा ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर बृहस्पतिवार को खेलगांव थाने में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस पूरे प्रकरण की बारीकी से जांच कर रही है।

आजम को सुप्रीम राहत पर बोले गोप, उत्पीड़न में भाजपा ने अंग्रेजों को भी पीछे छोड़ा

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत पर सपा नेताओं ने खुशी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान को मिली राहत को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका खारिज कर दी है।साथ ही उनकी पत्नी तजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम खान की सजा पर भी रोक लगा दी है। इस फैसले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप ने न्यायालय का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने आजम खान का जितना उत्पीड़न किया है, उसकी याद अंग्रेजों के शासन की याद दिलाती है।

गोप ने कहा कि आजम खान देश के बड़े नेता हैं और गरीबों, किसानों व नौजवानों की आवाज हैं। उन्होंने कहा कि आजम खान के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया, उससे लोकतांत्रिक मूल्यों पर सवाल खड़े होते हैं।

रिश्वत मांगने के आरोप में लेखपाल निलंबित, डीएम के जनता दर्शन में पहुंची थी महिला फरियादी

» बीपी एस न्यूज



श्रावस्ती। जिले में भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। रिश्वत मांगने के आरोपों से घिरे जमुनहा तहसील के एक लेखपाल को जिलाधिकारी मनोज कुमार राय के निर्देश पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मंगलवार को जनता दर्शन में एक महिला की शिकायत पर डीएम ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

जानकारी के अनुसार, जमुनहा तहसील के मोहनपुर भरथा निवासी गंगाजली पत्नी कमलेश कुमार ने जनता दर्शन में डीएम को प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्या बताई। महिला ने बताया कि एसडीएम न्यायालय में बंटवारे के मुकदमे में उन्हें कुर्रा नंबर पांच आवंटित किया गया था। इसके बावजूद संबंधित जमीन पर कब्जा परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी नहीं कराई जा रही थी।

महिला का आरोप था कि हल्का लेखपाल नितिन कुशवाहा को काम कराने के लिए पहले तीन हजार रुपये दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद उनका काम नहीं हुआ। अब कब्जा परिवर्तन कराने के नाम पर लेखपाल की ओर से 10 हजार रुपये की मांग की जा रही थी। महिला की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने एसडीएम जमुनहा को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जांच के बाद नियुक्ति प्राधिकारी एवं एसडीएम रवि प्रताप सिंह ने संबंधित लेखपाल को निलंबित कर दिया।

जांच के दौरान लेखपाल के खिलाफ अन्य शिकायतें और अनियमितताएं भी सामने आईं। उन पर अंश एवं नाम संशोधन से जुड़े आवेदनों को लंबित रखने, अविवादित वरासत के मामलों में अनावश्यक देरी करने, खसरा फीडिंग में लापरवाही बरतने और उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने के आरोप भी हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है। डीएम ने स्पष्ट संकेत दिया है कि भ्रष्टाचार और सरकारी कार्यों में लापरवाही के मामलों में जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बेटी ने छठ का प्रसाद कर दिया झूठा, गुस्से में पीट-पीटकर मां ने कर दी हत्या



छठ महापर्व की तैयारियों के बीच समस्तीपुर जिले के पूसा थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां छठ पूजा के प्रसाद का पकवान जूठा करने से नाराज मां ने अपनी ही चार साल की मासूम बेटी को पीट पीटकर मार डाला। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। मृत बच्ची की पहचान मोहम्मदपुर बिरौली गांव के वार्ड संख्या 12 निवासी राजू पासवान की 4 वर्षीय बेटी सुहानी कुमारी के रूप में हुई है, आरोपी मां का नाम रीना कुमारी है।जानकारी के मुताबिक यह घटना पूसा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर बिरौली गांव के वार्ड नंबर 12 की है। यहां रहने वाले राजू पासवान की पत्नी रीना कुमारी छठ पूजा के लिए पकवान और प्रसाद तैयार कर रही थी। इसी दौरान उनकी चार वर्षीय बेटी सुहानी कुमारी प्रसाद खाने की जिद करने लगी। मां ने उसे ऐसा करने से रोका, लेकिन बच्ची ने प्रसाद उठाकर जूठा कर दिया।

इसी बात से रीना कुमारी नाराज हो गई और उसने अपनी बेटी की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में सुहानी गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद मां आनन-फानन में बच्ची को लेकर एक निजी अस्पताल पहुंची और उसे भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृत बच्ची के पिता राजू पासवान के मुताबिक, परिवार के अन्य सदस्य छठ पूजा के लिए घाट बनाने गए हुए थे। इसी दौरान घर में यह घटना हो गई। परिवार में तीन बच्चे हैं। इनमें सात साल की शिवानी कुमारी, चार साल की सुहानी कुमारी और डेढ़ साल का बेटा राजा कुमार शामिल हैं। सुहानी की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

राजू पासवान ने अपनी पत्नी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि वह अपनी पत्नी को कठोर से कठोर सजा दिलाने का प्रयास करेंगे। इस घटना ने गांव के लोगों को झकझोर कर रख दिया है और सभी इस पर चर्चा कर रहे हैं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी मां रीना कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, समस्तीपुर भेज दिया गया। पूसा थाना प्रभारी राकेश कुमार ने कहा कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के बूथ दिवस पर बच्चों को पिलाई गई खुराक

» जून माह की तुलना में नवंबर अभियान में 429 अधिक बच्चों का टीकाकरण, 100.24 प्रतिशत कवरेज दर्ज



कानपुर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत रविवार को जनपद कानपुर नगर में बूथ दिवस का आयोजन किया गया। अभियान का शुभारंभ अपर निदेशक डॉ. रेनू पंत ने मान्यवर कांशीराम जिला चिकित्सालय में पोलियो बूथ का उद्घाटन कर किया। इस दौरान उन्होंने नवजात शिशुओं को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की तथा अभिभावकों से अपने शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की।

बूथ दिवस पर जनपद में कुल 1,78,522 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। जून 2026 में आयोजित बूथ दिवस के दौरान 1,78,093 बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई थी। इस प्रकार नवंबर अभियान में जून की तुलना में 429 अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान में 100.24 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य विभाग की टीमों के समन्वित प्रयासों और अभियान के प्रभावी संचालन को दर्शाता है।अभियान के सफल संचालन के लिए जनपद में कुल 2,055 टीमों के माध्यम से टीकाकरण गतिविधियां संचालित की गईं। अपर निदेशक डॉ. रेनू पंत ने रामादेवी चौराहा स्थित ट्रांजिट बूथ, हरजिंदर नगर स्थित डीटीसी, कैंट क्षेत्र तथा हरजिंदर नगर के पोलियो बूथ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टीकाकरण गतिविधियों, टीमों की कार्यप्रणाली और बूथों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।अभियान के दौरान अस्पतालों एवं अन्य टीकाकरण केंद्रों पर नवजात शिशुओं सहित शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने पर विशेष ध्यान दिया गया।

इस अवसर पर डॉ. रमित रस्तोगी (एसीएमओ), डॉ. एस.पी. यादव (डीआईओ), डॉ. कैलाश चंद्र (अर्बन नोडल अधिकारी), प्रखर सक्सेना (एडीआईओ), हुडा ज़हरा (प्रोग्राम ऑफिसर, जेएसआई), धनंजय श्रीवास्तव एवं शैलेन्द्र वाजपेयी (यूएनडीपी) सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने जनपदवासियों से अपील की है कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। सभी अभिभावक अपने शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं और पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने में सहयोग करें।

बर्रा में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर कंटेनर चालक की मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत बर्रा-6 पाल टावर के पास रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। कोयले से भरा कंटेनर खाली करने के लिए पाल टावर के पास स्थित आहद एंटरप्राइजेज के कोयला गोदाम पर आया था। गाड़ी खाली करते समय जब कंटेनर का गेट खोला गया, तो वह ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाइन से छू गया। गेट में करंट आ जाने से मौके पर ही युवक की मौत हो गई।

आसपास के लोगों ने युवक को पड़ा देखा तो क्षेत्रीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सबसे पहले बिजली की लाइन बंद कराई। इसके बाद युवक की जांच-पड़ताल की गई। युवक की जेब से आधार कार्ड मिला, जिससे उसकी पहचान मृतक कपिल (उम्र 32 वर्ष), निवासी संभल के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से मिले मोबाइल के आधार पर परिवार वालों को सूचना दे दी है।वहीं, जिस गोदाम पर गाड़ी खाली करने आए थे, उसके मालिक को भी सूचना दी गई है, लेकिन 2 घंटे बीत जाने के बाद भी मालिक मौके पर नहीं पहुंचा है। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को सूचना दी। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद बॉडी को सील करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।फिलहाल, ऊपर से जा रही 11000 वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है। मौके पर हाईटेंशन लाइन महज 11 से 12 फीट की



ऊंचाई पर गई हुई है, जबकि कंटेनर की ऊंचाई 12 से 13 फीट है। जिस पोल पर लाइन गई है, वह भी पूरी तरह तिरछा हो चुका है और किसी भी समय गिर सकता है। इससे केस्को विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आ रही है।

बाबा बड़े दयालू हैं ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू हैं
बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स
हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्ररीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।
(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)
24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइलः-9839625941)

श्याम मिल्क प्रोडक्ट डेयरी
हमारे यहाँ शुद्ध दूध, दही, पनीर, खोया, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध मिठाई उतिच मूल्य पर उपलब्ध है।
राजू राजपूत
मो. 9839909008
पता- 51 द्विवेदी नगर, तौधकपुर रोड, समाधि पुलिया, नौबस्ता कानपुर

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सही चुनाव...
CARE-TEX®
OUR MISSION IS PATIENT CARE
30 YEARS of EXCELLENCE
दर्द कम... जीवन खुशहाल...
आपके स्वस्थ जीवन का साथी
अब पाएं Care-Tex के उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्थोपेडिक व फिजियोथेरेपी सपोर्ट प्रोडक्ट्स हमारे यहाँ
बेहतरीन क्वालिटी
टिकाऊ और आरामदायक
डॉक्टरों द्वारा अनुशंसित
हर उम्र के लिए उपयोगी
वाजिब दाम, भरोसेमंद सेवा
अरुण कुमार अस्थाना
जय अंबे ट्रेडर्स
Wrist Band (Thumb Support)
Shoulder Immobilizer (Extra Support)
Harsons ELECTRIC BACK REST
Lumbo Sacral Belt (Contour)
हमारे उपलब्ध अन्य प्रमुख प्रोडक्ट्स
Knee Cap
Ankle Support
Elbow Support
Cervical Collar
Arm Sling
Wrist Support
Posture Belt
Finger Support
दर्द से राहत बेहतर समर्थन
उच्च गुणवत्ता
वाजिब दाम बेहतर सेवा
डॉक्टरों की पहली पसंद
30 वर्षों का विश्वास
Caretex कार्यालय
19/174, पटकापुर, कानपुर
संपर्क करें 9936442547, 7705800400
★★★ आपकी सेहत... हमारी प्राथमिकता | Care-Tex – मरीजों की देखभाल ही हमारा लक्ष्य ★★

अकाना होम डेवलपर्स लाया है अब आपके शहर कानपुर व उन्नाव में आसान व मासिक किस्तों पर
AKANA HOME DEVELOPERS
तुरन्त रजिस्ट्री तुरन्त कब्जा लें
बिना ब्याज के
अकाना होम डेवलपर्स
आवासीय प्लाट
हमारी साईट :
पाली
मंझावन
रमईपुर
सेन पश्चिम पारा
नौबस्ता आवास विकास
जाजमऊ गंगापुर
पता- 34, सुभाष कॉम्पलेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर
Mob. : 9000531538

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर
महेंद्र पटेल प्रबंधक
माधुरी पटेल डायरेक्टर
55ML 100ML 130ML 90ML 150ML +2
पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046
पताः- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Since:1992
Sahu Ji Maharaj Restaurant
राजसी ठाट देसी अंदाज़
638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर (निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)
M: 8303637506
9792526852

ये प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर जारी, 27 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म..!

राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड और महावीर जैन फिल्म्स के सहयोग से बनी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। फिल्म के संगीत को मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स के बीच निर्देशक सूरज बड़जात्या की 'ये प्रेम मोल लिया'

अब अपने एक बड़े पड़ाव की ओर बढ़ चुकी है। फिल्म के मेकर्स अब इस फिल्म को रिलीज करने की तैयारी में हैं। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विदित हो कि ट्रेलर लॉन्च से पहले मुंबई के रॉयल ओपेरा हाउस में फिल्म की एक खास म्यूजिकल इवनिंग आयोजित की गई थी, जहां फिल्म के संगीत का जश्न मनाया गया

और 'ये प्रेम मोल लिया' की दुनिया को खूबसूरती से दर्शकों के सामने पेश किया गया। हिमेश रेशमिया द्वारा तैयार किए गए इस म्यूजिक एल्बम को लगातार अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और इसके गाने अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहे हैं। खास तौर पर 'झुमका पटोला' को दर्शकों का शानदार प्यार मिला है और यह गाना मिलियन का आंकड़ा पार कर चुका है।

फिल्म के प्रमोशन के तहत मेकर्स ने खास तौर पर तैयार किए गए 'झुमका पटोला' हैम्पर के जरिए भी इस गाने को चर्चा में बनाए रखा है। सूरज बड़जात्या की फिल्मों की पहचान हमेशा से यादगार संगीत और पारिवारिक जश्न से जुड़ी रही है।

ऐसे में फिल्म का म्यूजिक एल्बम इसकी पहचान का एक अहम हिस्सा है। संगीतकार हिमेश रेशमिया के साथ यह सहयोग दो अलग-अलग संगीत शैलियों को एक साथ लेकर आया है। फिल्म के गाने दर्शकों को इसकी रोमांटिक और पारिवारिक दुनिया की एक खूबसूरत झलक दे रहे हैं। आयुष्मान खुराना और शरवरी अभिनीत इस फिल्म में अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, स्वानंद किरकिरे, श्रुति सेठ, शाद रंधावा, गिरीश कुलकर्णी, राजेश कुमार समेत कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म परिवार और रिश्तों की अहमियत को केंद्र में रखती है।

प्रस्तुति-काली दास पाण्डेय



निजी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हुई 'गुणवत्ता यात्रा' कार्यशाला

कानपुर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत जनपद के सूचीबद्ध निजी चिकित्सालयों में गुणवत्ता मानकों को लागू करने और एनएबीएच सर्टिफिकेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय स्थित आरसीएच सभागार में 'गुणवत्ता यात्रा' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने की। भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के राष्ट्रीय गुणवत्ता संवर्धन बोर्ड (एनबीक्यूपी) की ओर से राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) के सहयोग से इसका आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने कहा कि कानपुर को स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चयनित किया गया है। किसी भी शहर की स्मार्ट पहचान तभी पूरी होती है, जब वहां के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। कानपुर प्रदेश का प्रमुख औद्योगिक नगर होने के साथ ही आसपास के कई जनपदों के मरीजों के उपचार का भी बड़ा केंद्र है। ऐसे में यहां के निजी चिकित्सालयों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि एनएबीएच सर्टिफिकेशन गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह विकसित भारत ञ2047 के लक्ष्य को साकार करने में भी सहायक होगा। उन्होंने जनपद के सभी निजी चिकित्सालयों से एनएबीएच एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया से जुड़ने की अपील की।उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी यादव ने कहा कि गुणवत्ता प्रमाणन केवल एक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि मरीजों के विश्वास और सुरक्षित उपचार का आधार है। जो चिकित्सालय अभी से गुणवत्ता आधारित व्यवस्था अपनाएंगे, वे भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकेंगे।कार्यक्रम का संचालन क्यूसीआई-एनबीक्यूपी की ओर से पंकज कुमार ने किया। उन्होंने भारतीय गुणवत्ता परिषद की भूमिका एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए 'गुणवत्ता यात्रा' के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के निजी चिकित्सालयों को गुणवत्ता प्रमाणन के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक अस्पताल सरल और चरणबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से प्रमाणन प्राप्त कर सकें।तकनीकी सत्र में एनएबीएच की फैकल्टी ने बताया कि एनएबीएच के मानक अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा, संक्रमण नियंत्रण, उपचार की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सेवाओं की प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन के प्रमुख मानकों, आवश्यक दस्तावेजों तथा आवेदन से लेकर प्रमाणन प्राप्त करने तक की पूरी प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं और शंकाओं का समाधान भी किया गया। हेल्थचेकअप बुक करें

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जनपद के निजी चिकित्सालयों को एनएबीएच एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर आयुष्मान भारत टीम के डॉ. सुधाकर प्रसाद शुक्ला एवं आशीष दीक्षित सहित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा विभिन्न निजी चिकित्सालयों के संचालक, चिकित्सक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



ई-सिगरेट की बिक्री पर एक साल तक की जेल और एक लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान

»विद्यालयों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित, छात्र-छात्राओं को दिलाई गई शपथ

»बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 4.0 के तहत गुरुवार को जी.एन.के. इंटर कॉलेज, सिविल लाइन्स एवं बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन, चुन्नीगंज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान छात्र-छात्राओं को ई-सिगरेट एवं तम्बाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों तथा इनके नियंत्रण से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से ई-सिगरेट पर लागू प्रतिबंधों और उल्लंघन की स्थिति में निर्धारित दंडात्मक प्रावधानों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।



कार्यक्रम में जनपद सलाहकार निधि वाजपेयी ने बताया कि ई-सिगरेट को सामान्य सिगरेट का सुरक्षित विकल्प मानना गलत है। ई-सिगरेट से निकलने वाले एरोसोल में निकोटीन सहित स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं। निकोटीन की लत विशेष रूप से किशोरों एवं युवाओं के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को ई-सिगरेट, वेपिंग उपकरणों एवं अन्य तम्बाकू उत्पादों से दूर रहने तथा अपने परिवार और मित्रों को भी इनके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (पेका), 2019 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया गया कि देश में ई-सिगरेट के उत्पादन, निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण एवं विज्ञापन पर प्रतिबंध है। अधिनियम की धारा 4 के उल्लंघन पर पहली बार एक वर्ष तक का कारावास अथवा एक लाख रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। दोबारा उल्लंघन पर तीन वर्ष तक का कारावास और पांच लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। वहीं, धारा 5 के अंतर्गत ई-सिगरेट के भंडारण पर प्रतिबंध है, जिसके उल्लंघन पर छह माह तक का कारावास अथवा 50 हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है।इसके अतिरिक्त सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा), 2003 के प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि धारा 4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है। धारा 6(क) के तहत 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तम्बाकू उत्पादों की बिक्री तथा धारा 6(ख) के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है। इन प्रावधानों के उल्लंघन पर 200 रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। विद्यार्थियों को तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध और पैकेटों पर स्वास्थ्य चेतावनी की अनिवार्यता के संबंध में भी बताया गया।

तंबाकू मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी सीएमओ डॉ एसपी यादव ने बताया कि दौरान ई-सिगरेट, तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों एवं कानूनी प्रावधानों पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को तम्बाकू एवं अन्य नशीले उत्पादों से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने घाटमपुर तहसील में सुनीं जनसमस्याएं, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

»बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में शनिवार को घाटमपुर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 214 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 10 का मौके पर निस्तारण किया गया। नक्शेदेखें

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। जिन समस्याओं का समाधान मौके पर संभव है, उनका तत्काल निस्तारण किया जाए। अन्य मामलों



में संबंधित अधिकारी निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि फरियादियों को वास्तविक राहत मिले। लोगों को एक ही समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग से संबंधित सर्वाधिक 111 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग के 43, विकास विभाग के 18, नगर पालिका के 11, विद्युत विभाग के 10 और आपूर्ति विभाग के 6 प्रार्थना पत्र आए। जल निगम, पीडब्ल्यूडी एवं समाज कल्याण विभाग से संबंधित चार-चार तथा बैंक से संबंधित तीन प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व अभिलेखों से संबंधित कई समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। ग्राम कटर निवासी गणेश कुमार की खतौनी में बालिग दर्ज कराने संबंधी प्रकरण में आवश्यक संशोधन कर संशोधित खतौनी उपलब्ध कराई गई। ग्राम चिन्दकी निवासी हनीफ खां की खतौनी में पिता का नाम संशोधित किया गया। इसी प्रकार ग्राम सजेती निवासी गंगाप्रसाद की खतौनी में गलत दर्ज पते को दुरुस्त कराया गया।

वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित तीन प्रकरणों में ग्राम अमौली निवासी कैलाश सिंह, ग्राम आगापुर निवासी खातून पत्नी रहमान तथा ग्राम स्यौढ़ीललईपुर निवासी प्रमोद कुमार सिंह को अवगत कराया गया कि उनके आवेदनों पर ब्लॉक एवं जिला स्तर से आवश्यक कार्रवाई पूरी हो चुकी है। एनपीसीआई प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत पेंशन की धनराशि खाते में प्राप्त होने की संभावना है।

इसी क्रम में ग्राम पतारा निवासी सुशील कुमार के अंश संशोधन संबंधी प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई की गई। बीमारी अनुदान से संबंधित दो प्रार्थना पत्रों पर जांच आख्या अग्रसारित की गई। वहीं आछी मोहाल उत्तरी घाटमपुर निवासी मुन्नी बेगम के परिवार रजिस्टर से संबंधित आवेदन पर ऑनलाइन कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी ने शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए उनके समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिकारी प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार परीक्षण कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा फरियादियों को निस्तारण की जानकारी भी उपलब्ध कराएं।

कानपुर नगर में ब्लैकआउट मॉकड्रिल का आयोजन

हवाई हमले जैसी आपात परिस्थितियों में खोज, बचाव एवं राहत कार्यों का किया गया अभ्यास

»बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा जनपद कानपुर नगर में आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा की तैयारियों को परखने तथा आमजन को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को सायं 06ः00 बजे व्यापक ब्लैकआउट मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा महेन्द्र सिंह तंवर के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभ्यास में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। मॉकड्रिल का मुख्य आयोजन पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय, आजाद नगर परिसर में किया गया। अभ्यास का उद्देश्य संभावित हवाई हमले तथा अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा, खोज एवं बचाव तथा त्वरित राहत कार्यों की तैयारियों का परीक्षण करना था।अपर जिलाधिकारी (नगर) सौरभ सिंह के समन्वय से आयोजित इस अभ्यास में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), अग्निशमन विभाग, एनसीसी, नगर निगम, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, भारतीय सेना तथा नागरिक सुरक्षा विभाग के विभिन्न प्रभागों ने संयुक्त रूप से प्रतिभाग किया।





मॉकड्रिल के दौरान क्षतिग्रस्त भवनों से घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने, मलबे में फंसे व्यक्तियों की खोज एवं बचाव, घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित राहत पहुंचाने की आधुनिक एवं व्यावहारिक विधियों का प्रदर्शन किया गया। इस अभ्यास के माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, तत्परता एवं कार्यक्षमता का भी परीक्षण किया गया।उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा ममता रानी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में सभी संबंधित विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपकर मॉकड्रिल को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। मॉकड्रिल के प्रभारी सहायक उपनियंत्रक विमलेश कुमार यादव ने आमजन से अपील की कि ऐसे अभ्यासों के दौरान शांति एवं अनुशासन बनाए रखें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा कानपुर नगर के चीफ वार्डेन राजीव सिंह, डिप्टी चीफ वार्डेन आशीष कुमार बाजपेई, सहायक उपनियंत्रक मुकेश कुमार, प्रभारी सहायक उपनियंत्रक प्रवीण वर्मा, स्टाफ अधिकारी योगेन्द्र कुमार मिश्रा, डिवीजनल वार्डेन धनंजय नारायण सिंह, डिवीजनल वार्डेन मो. कैफ खान सहित नगर के समस्त डिवीजनल वार्डेन एवं सीनियर वार्डेन उपस्थित रहे।

राजकीय बाल गृह बालक में 'विशेष बाल दिवस' कार्यक्रम का हुआ आयोजन



»बीपीएस न्यूज

कानपुर। संस्था राजकीय बाल गृह बालक में 'विशेष बाल दिवस' कार्यक्रम का भव्य आयोजन के उपलक्ष्य में एक भव्य और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके उत्साहवर्धन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों का संचालन हुआ। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग के उपनिदेशक (डिप्टी डायरेक्टर), वरिष्ठ आयुर्वेदिक आचार्या वंदना तथा जनपद जिला प्रोबेशनअधिकारी कार्यालय की ओर से शैल शुक्ला विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उपनिदेशक ने बच्चों के



उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ आयुर्वेदिक आचार्या वंदना ने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली और पोषण का महत्व समझाया। वहीं शैल शुक्ला ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के बच्चों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें उपस्थित सभी अतिथियों ने खूब सराहा। अंत में संस्था के अध्यक्ष ने सभी विशिष्ट अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

पल्स पोलियो अभियान के प्रचार-प्रसार को कानपुर सीएमओ ने दिखाई हरी झंडी

»बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में 22 नवंबर 2026 से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से शनिवार को काशीराम चिकित्सालय से पोलियो जागरूकता रैली निकाली गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली में डीटीओ, डीआईओ, एनयूएचएम नोडल अधिकारी, डीएसओ, अर्बन आरआई नोडल अधिकारी, एडीआईओ, डीपीएम, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर, प्रोग्राम ऑफिसर जेएसआई अर्बन हेल्थ प्रोग्राम्स सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जागरूकता रैली काशीराम चिकित्सालय से प्रारंभ होकर रामादेवी चौराहा होते हुए मनोज इंटरनेशनल तक गई। इसके बाद वापस काशीराम चिकित्सालय पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के माध्यम से आमजन को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने तथा अभियान में सक्रिय सहभागिता करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि 22 नवंबर से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान के दौरान शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय के लोगों से अभियान में सहयोग करने तथा पोलियो उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। संक्रमणजांच कराएं

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। शत-प्रतिशत बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करेंगे।

स्वास्थ्य विभाग ने जनसामान्य से अपील की है कि वे अभियान में सहयोग करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

अवैध खनन के विरुद्ध पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई



»बीपीएस न्यूज

कानपुर। अवैध खनन के संबंध में लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस.एम. कासिम आबिदी एवं एसडीएम सदर श्री अनुभव सिंह के नेतृत्व में थाना पनकी एवं थाना सचेंडी क्षेत्र में रात्रिकालीन चेकिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्रों में अवैध खनन की गतिविधियों की जांच की गई।

चेकिंग के दौरान अवैध खनन से संबंधित गतिविधियां संज्ञान में आने पर संबंधित व्यक्तियों व वाहनों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

चार विवाह छिपाकर की पांचवीं शादी पति से मांगी 20 लाख की रंगदारी

» शादी के एक साल बाद 18 जून को एक लाख रुपये और जेवर लेकर मायके चली गई थी पत्नी

» 13 अगस्त को पति ससुराल पहुंचा तो ससुरालियों ने पीटा, अब तीन महीने बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। एक युवती पर पांच शादियां करने का आरोप लगा है। पांचवें पति विशाल विश्वकर्मा का दावा है कि शादी के एक साल बाद पत्नी घर से एक लाख रुपये और 15 लाख रुपये के जेवर लेकर मायके चली गई। जब वे 13 अगस्त को ससुराल पहुंचे, तो ससुरालियों ने मारपीट की और 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। पीड़ित की तहरीर के तीन माह बाद पुलिस ने पत्नी समेत आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और पांच आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। विश्व बैंक कॉलोनी निवासी विशाल विश्वकर्मा (जो बीमा का काम करते हैं) ने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि 18 मई 2025 को उनकी शादी जूही लाल कॉलोनी निवासी प्रगति विश्वकर्मा से हुई थी।

शादी के करीब एक साल बाद 18 जून 2026 को प्रगति घर से 15 लाख रुपये के गहने और एक लाख रुपये लेकर मायके चली गई छानबीन करने पर विशाल को प्रगति की पूर्व शादियों के प्रमाण मिले आर्य समाज मंदिरों के अभिलेखों का हवाला देते हुए विशाल ने दावा किया कि प्रगति की पहली शादी 20 मार्च 2017 को जूही के बारा देवी निवासी सोनू विश्वकर्मा से बेनाझाबर स्थित आर्य समाज मंदिर में हुई थी। इसके तीन महीने बाद 23 जून 2017 को प्रगति ने इटावा के बजरिया निवासी सुमित बाथम से रावतपुर गांव स्थित आर्य समाज मंदिर में दूसरी शादी की (पंजीकरण क्रमांक 632) विशाल के मुताबिक, पुलिस की विवेचना में पनकी और रायपुरवा क्षेत्र में भी युवकों से शादी कर लाखों रुपये के गहने व नकदी लेकर चले जाने की बात सामने आई है।13 अगस्त 2026 को विशाल अपने छोटे भाई के साथ प्रगति के मायके पहुंचे और पूर्व की शादियों के बारे में बात की आरोप है कि इस पर ससुर अशोक, सास सोमवती, सीमा, शरद सैनी, कोमल, ललिता शर्मा और मौसी गोमती ने उन्हें पीटा तथा 20 लाख रुपये रंगदारी मांगी किसी तरह वहां से बचकर विशाल ने पुलिस को तहरीर दी। जिसमें उन्होंने पत्नी का गर्भपात कराने का भी आरोप लगाया है। विशाल का आरोप है कि प्रगति रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और सफर के दौरान अनजान लोगों को निशाना बनाती थी। वह मोबाइल में बैलेंस न होने का बहाना बनाकर फोन मांगती और नंबर हासिल करने के बाद रात में बातचीत कर नजदीकियां बढ़ाती थी। खुद को घर की इकलौती बेटी और करोड़ों की संपत्ति की वारिस बताकर वह लोगों को शादी के लिए तैयार करती थी। विशाल ने खुद को पांचवां शिकार बताया है। यह भी बताया गया है कि पहली शादी के बाद प्रगति ने अपने सौतेले पिता अशोक कुमार विश्वकर्मा, सौतेली मां सीमा और जीजा सुनील कुमार के खिलाफ किदवई नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बर्रा थाना प्रभारी क्षितिज सिंह ने बताया कि विशाल की तहरीर पर पत्नी प्रगति विश्वकर्मा, उसके पिता अशोक कुमार, सोमवती, शरद सैनी, कोमल, सीमा, ललिता और गोमती के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, दूसरी शादी छिपाना, बलवा और रंगदारी मांगने समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

गुलमोहर ग्रीन्स अपार्टमेंट के लोगों ने कुत्तों से परेशान होकर किया प्रदर्शन

बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को हो रही परेशानी, समस्या के स्थायी समाधान की उठाई मांग

» बीपीएस न्यूज



कानपुर। बिठूर थाना क्षेत्र के सिंहपुर स्थित गुलमोहर ग्रीन्स अपार्टमेंट में कुत्तों की समस्या को लेकर रविवार को निवासियों ने प्रदर्शन किया। अपार्टमेंट में रहने वाले दो दर्जन से अधिक लोग एकत्र हुए और अपनी समस्याओं को लेकर विरोध जताया। निवासियों का कहना है कि परिसर में कुत्तों की आवाजाही से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चे खुद को असहज और असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे लोगों के मुताबिक, अपार्टमेंट परिसर में कुत्तों के कारण बच्चों का बाहर निकलना और खेलना मुश्किल हो रहा है। वहीं बुजुर्गों और महिलाओं को भी परिसर में आने-जाने के दौरान डर बना रहता है। लोगों का कहना है कि कुत्तों के अचानक सामने आने से अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। इस समस्या को लेकर कई निवासी चिंतित हैं।

रविवार को दो दर्जन से अधिक निवासियों ने एकत्र होकर प्रदर्शन के माध्यम से अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने संबंधित जिम्मेदारों से मामले को गंभीरता से लेने और अपार्टमेंट परिसर में कुत्तों की समस्या का उचित समाधान कराने की मांग की। निवासियों का कहना है कि सभी परिवारों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसा रास्ता निकाला जाना चाहिए, जिससे लोगों को राहत मिले और किसी भी जानवर को नुकसान भी न पहुंचे।

प्रदर्शन में मयंक अग्रवाल, शुभ्रांशु श्रीवास्तव, कुंदन श्रीवास्तव, चंद्रशेखर, आरके श्रीवास्तव, विनीता, कमला और संध्या सहित गुलमोहर ग्रीन्स अपार्टमेंट के अन्य निवासी मौजूद रहे। लोगों ने एक स्वर में मांग उठाई कि उनकी शिकायत पर जल्द कार्रवाई की जाए, ताकि अपार्टमेंट में रहने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे बिना किसी डर के सामान्य रूप से आवागमन कर सकें।

नशे के कारोबार पर बजरिया पुलिस का बड़ा प्रहार, चार तस्कर गिरफ्तार



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बजरिया थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार चारों आरोपी संदिग्ध अवस्था में कूड़ाघर के पास एक सुलभ शौचालय के अंदर बैठे मिले।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल 127 ग्राम स्मैक और 9.033 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा आरोपियों के पास से 1,180 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आशू सोनकर, मुन्ना, रामचन्द्र और मकसूद के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मुठभेड़ में गिरफ्तार अभियुक्त ने गौकशी की घटना को किया स्वीकार



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रविवार को प्रातः थाना रेलबाजार पुलिस टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर फेथफुलगंज क्षेत्र में हुई गौकशी की घटना में वांछित अभियुक्त मो0 मुजम्मिल कुरैशी उर्फ मीम पुत्र सरताज निवासी पचरोजा, थाना जाजमऊ को शिवनारायण टंडन पुल के पास घेराबंदी कर गिरफ्तार करने का प्रयास किया गया।इस दौरान अभियुक्त द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की गई। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में अभियुक्त के बाएं पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया।घायल अभियुक्त को उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल भेजा गया है।पुलिस उपायुक्त पूर्वी, सत्यजीत गुप्ता के अनुसार अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, 60 रुपये, एक मोबाइल फोन तथा मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने अपने भाई एहतिशाम के साथ मिलकर दिनांक 17/18.11.2026 की रात्रि आजाद पार्क, फेथफुलगंज के पास गौकशी की घटना कारित करना स्वीकार किया है। अभियुक्त के उपचार के उपरांत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

मिड-डे मिल भोजन पर अब होगी सरकार की सीधी नजर

नई व्यवस्था के अंतर्गत परिषदीय स्कूलों को भेजनी होगी मध्यान्तर की पांच फोटो



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों के लिए सरकार द्वारा नया नियम जारी कर दिया गया है। इस नियम के लागू होने के बाद इन स्कूलों में मिड-डे मिल के तहत बच्चों को परोसे जा रहे भोजन पर अब सरकार की सीधी नजर होगी और इसके लिए स्कूलों को मध्यान्तर के भोजन के साथ अन्य कुल मिलाकर पांच फोटो प्रतिदिन भेजनी होगी। मिड-डे मील में पारदर्शिता लाने के लिए अब सरकार द्वारा नई व्यवस्था लागू की गयी है। कई परिषदीय स्कूलों में बच्चों के भोजन को लेकर उठे सवालो के चलते यह नई व्यवस्था बनाई गयी है। इसके अंतर्गत परिषदीय स्कूलों में चल रहे मध्यान्तर भोजन के साथ पांच फोटो ऑनलाइन पोर्टल पर भेजनी होंगी। इस योजना के लिए सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए जा चुके है।इस बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि रसोई की साफ-सफाई के अलावा खाने में प्रयोग होने वाले कच्चे सामान, बनता हुआ भोजन, बच्चों को बैठाकर खाने के साथ साथ भोजन के बाद की स्थिति की फोटो पोर्टल पर प्रतिदिन डालनी होगीं। इस नई व्यवस्था के तहत भोजन के प्रतिदिन का मेन्यू और उसके अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन बन रहा या नही साथ ही अन्य व्यवस्थाओं में पारदर्शिता बनी रहेगी।





बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. के.पी. सिटी 304/2027-2029, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।